▪ मार्गशीर्ष शुक्ल - 15 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 128 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 02-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी : पीवी सिंधू

6 दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

7 श्रीवल्ली के बिना पुष्पा फ्रेंचाइजी अधूरी : अल्लू अर्जुन

फर्स्ट टेक

जय शाह ने आईसीसी प्रमुख का कार्यभार संभाला

दुबई/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निवर्तमान सचिव जय शाह ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। शाह का तात्कालिक लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्पन्न गतिरोध को समाप्त करने का होगा। इसके साथ उनके सामने क्रिकेट को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ओलंपिक खेल बनाने की चुनौती होगी। वह इस वैश्विक संस्था का नेतृत्व करने वाले पांचवें भारतीय हैं। छत्तीस साल के शाह पिछले पांच वर्षों से बीसीसीआई सचिव हैं। वह आईसीसी के निदेशक मंडल की सर्वसम्मत पसंद थे। शाह ने न्यूजीलैंड के वकील ग्रेग बार्कले का स्थान लिया, जो लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं थे। शाह से पहले व्यवसायी दिवंगत जगमोहन डालमिया, राजनेता शरद पवार, वकील शशांक मनोहर और उद्योगपति एन श्रीनिवासन विश्व क्रिकेट संस्था का नेतृत्व करने वाले भारतीयों में शामिल रहे हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड को भंग किया

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने सुशासन को बढ़ावा देने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने और बोर्ड का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने 21 अक्टूबर, 2023 को जारी एक सरकारी आदेश (जीओ) को रद्द कर दिया, जिसके तहत 11 सदस्यीय वक्फ बोर्ड में तीन सदस्यों का चुनाव किया गया था और सात अन्य को नामित किया गया था। सरकार के सचिव के. हर्षवर्धन ने शनिवार को जारी एक सरकारी आदेश में कहा, सुशासन बनाए रखने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और वक्फ बोर्ड के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के हित में, सरकार तत्काल प्रभाव से जीओ एमएस संख्या 47 (जिसके तहत बोर्ड का गठन किया गया था) को वापस लेती है।

प्लास्टिक प्रदूषण पर नहीं बनी सहमति, देशों की बैठक बिना समझौते के समाप्त

नई दिल्ली/भाषा। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए संधि को अंतिम रूप देने के लिए दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित वैश्विक बैठक में देश प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पोषण की सीमा तय करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में विफल रहे और रविवार को यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। यह अंतर-सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी।

02-12-2024 सूर्यास्त 5:51 बजे	03-12-2024 सूर्योदय 6:27 बजे
BSE 79,802.79 (+759.05)	NSE 24,131.10 (+216.95)
सोना 7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 90,517 रु. प्रति किलो

कमजोर पड़ा 'फेंगल'

बारिश से पुडुचेरी, तमिलनाडु के विल्लुपुरम में आम जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/चेन्नई। पुडुचेरी के पास शनिवार को पहुंचा चक्रवात 'फेंगल' रविवार को कमजोर पड़ गया। हालांकि, इसके प्रभाव से केंद्र-शासित प्रदेश में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाढ़ग्रस्त सड़कों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा। बुजुर्गों ने कहा कि पुडुचेरी में पिछले तीन दशक में प्रकृति का ऐसा प्रकोप नहीं देखा गया था।

पड़ोसी तमिलनाडु के विल्लुपुरम में भी बारिश और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जिले में बारिश को 'अभूतपूर्व' करार दिया। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई हवाई अड्डे पर परिचालन आधी रात के बाद फिर से शुरू हो गया, लेकिन शुरुआत में कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई विमानों ने देरी से उड़ान भरी। हालांकि, बाद में दिन में परिचालन सामान्य हो गया। चक्रवात के मद्देनजर चेन्नई हवाई अड्डे पर सेवाएं शनिवार को निलंबित कर दी गई थीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से उपलब्ध कराई गई ताजा जानकारी के मुताबिक, चक्रवात फेंगल' कमजोर पड़कर गहरे दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया है।

आईएमडी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी के पास पहुंचा चक्रवाती तूफान 'फेंगल' पिछले 12 घंटों के दौरान व्यावहारिक रूप से स्थिर रहा और अब यह कमजोर होकर एक गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है और एक दिसंबर 2024 को पूर्वाह्न 11.30 बजे पुडुचेरी के करीब, कुड्डालोर से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में, विल्लुपुरम से 40 किलोमीटर पूर्व में और चेन्नई से 120 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में अक्षांश 12.0 डिग्री उत्तर और 79.8 डिग्री पूर्व देशांतर के पास उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। पोस्ट के मुताबिक, चक्रवात के अगले 12 घंटे के दौरान बहुत धीमी गति से पश्चिम की तरफ बढ़ने और उत्तरी तमिलनाडु में धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव में बदलने की संभावना है।

हर दंपति को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या वृद्धि में गिरावट पर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) मौजूदा 2.1 के बजाए कम से कम तीन होनी चाहिए। टीएफआर का तात्पर्य एक महिला द्वारा जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है।

नागपुर में 'कठाले कुलसम्मेलन' में उन्होंने परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला और आगाह किया कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार, यदि किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, जनसंख्या में कमी गंभीर चिंता का विषय है। जनसांख्यिकी अध्ययनों से पता चलता है कि जब किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो उसके विलुप्त होने का खतरा होता है। इस गिरावट के लिए जरूरी नहीं कि बाहरी खतरे हों; कोई समाज धीरे-धीरे अपने आप ही विलुप्त हो सकता है। भागवत ने कहा, इस मुद्दे के कारण कई भाषाएं और संस्कृतियां पहले ही विलुप्त हो चुकी हैं। इसलिए, प्रजनन दर को 2.1 से ऊपर बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुटुंब (परिवार) समाज का अभिन्न अंग है और हर परिवार की समाज के गठन में अहमियत है।

भारत अब उम्मीद और संभावनाओं का देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर, (उप्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को यहां आईआईटी कानपुर के विद्यार्थियों से विकास के लिए स्मार्ट, समाधान-उन्मुख व सतत नवाचारों पर काम करने और पराली जलाने की समस्या का समाधान खोजने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कानपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के 'भारत के विकास में नवाचार की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्रों में समाधान उन्मुख नवाचार के लिए वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझना आवश्यक है। उन्होंने आत्मीयता दर्शाते हुए कहा, मेरे युवा मित्रों, इसके लिए आरामदायक क्षेत्रों से बाहर निकलना और पूरे भारत में विविध हितधारकों के साथ जुड़ना आवश्यक है। मैं इस पर ध्यान केंद्रित करूंगा क्योंकि मैं आईआईटी कानपुर से एक भावुक अपील करने आया हूं।''

धनखड़ ने विद्यार्थियों से कहा, ''मैं बहुत आभारी रहूंगा अगर आईआईटी, कानपुर किसानों के कल्याण को मिशन मोड में ले सके और कुछ समस्याएं तो बहुत स्पष्ट हैं, जैसे पराली जलाना। कृपया अपने दिमाग को खंगालें, समाधान खोजें। आज हमारा किसान वस्तुतः तनावग्रस्त है क्योंकि किसान ने नवाचार के लाभों का परीक्षण नहीं किया है।''

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, धनखड़ ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अब उम्मीद और संभावनाओं का देश है। उन्होंने कहा कि भारत अब आर्थिक उन्नति पर है और अब यह अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे वाला देश है।

■ उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से पराली की समस्या का समाधान खोजने का आह्वान किया

हैदराबाद में कन्नड़ अभिनेत्री ने की आत्महत्या

हैदराबाद/भाषा। कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री शोबिता एस ने रविवार को यहां अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, टेलीविजन धारावाहिकों में भी काम कर चुकीं शोबिता (32) का शव शयनकक्ष में साड़ी के सहारे छत के पंखे से लगाए गए फंदे से लटका मिला। कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकीं शोबिता पिछले साल अपनी शादी के बाद से हैदराबाद में रह रही थीं। पुलिस ने कहा कि उनकी कथित आत्महत्या के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए घटना की जांच की जा रही है।

एकनाथ शिंदे ने महायुति में मतभेद की अटकलों को फिर से किया खारिज

भारतीय जनता पार्टी के फैसले का समर्थन करेगी शिवसेना

सतारा/एजेन्सी। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति गठबंधन सहयोगियों के बीच किसी भी मतभेद की अटकलों को एक बार फिर खारिज करते हुए रविवार को दोहराया कि वे अच्छे से समन्वय कर रहे हैं।

शिंदे ने रविवार दोपहर यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना राज्य में नई सरकार के गठन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फैसले का समर्थन करेगी। वह शुक्रवार शाम को जिले के अपने पैतृक गांव दरे में विश्राम के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वह एक आम आदमी हैं, न कि 'सीएम' और गरीबी के बारे में जानते हैं और उन्होंने गरीबों के लिए काम करने का वादा किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले ढाई वर्षों में महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए 'लड़की बहन' सहित विभिन्न योजनाओं को लागू करके राज्य के लोगों के कल्याण के लिए काम किया।

'सनातन बोर्ड' को शीर्ष संतों ने दी मंजूरी

केंद्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव : अखाड़ा परिषद

प्रयागराज/भाषा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने रविवार को कहा कि यहां महाकुंभ में धर्म संसद के दौरान सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव तैयार होगा, जिसे केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में होने वाली धर्म संसद में देश भर के प्रमुख साधु संत हिस्सा लेंगे। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में पुरी ने कहा, हम चाहते हैं कि जो भी बोर्ड बने वह केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त हो। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस बोर्ड में कोई भी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। धर्म संसद में चारों पीठ के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख संत और अन्य धर्माचार्यों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य एक सुव्यवस्थित, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड की स्थापना करना है।

जयशंकर ने टीपू सुल्तान पर कहा

आज की राजनीति तथ्यों को चुन-चुनकर पेश करने की है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि इतिहास ''जटिल'' है और आज की राजनीति अपने हिसाब से तथ्यों को ''चुन-चुनकर पेश''' करने की है तथा टीपू सुल्तान के मामले में भी काफी हद तक ऐसा ही हुआ है। विदेश मंत्री ने दावा किया कि मैसूर के पूर्व शासक के बारे में पिछले कुछ वर्षों में एक ''विशेष विमर्श'' प्रचारित किया गया।

जयशंकर ने यहां 'टीपू सुल्तान: द सागा ऑफ मैसूर इंटररेग्नम 1761-1799' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, कुछ बुनियादी सवाल हैं जिनका आज हम सभी को सामना करना पड़ रहा है कि हमारे अतीत को कितना छिपाया गया है, जटिल मुद्दों को कैसे नजरअंदाज किया गया है और कैसे तथ्यों को शासन की सुविधा के अनुसार ढाला गया है।

यह पुस्तक इतिहासकार विक्रम संपत ने लिखी है।

विदेश मंत्री ने कहा, पिछले दशक में हमारी राजनीतिक व्यवस्था में आए बदलावों ने वैकल्पिक दृष्टिकोणों और संतुलित बातों के उद्भव को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा, हम अब वोट बैंक के बंधक नहीं हैं, न ही असहज करने वाले सत्य को सामने लाना राजनीतिक रूप से गलत है। ऐसे कई और विषय हैं जिन पर समान स्तर की निष्पक्षता की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि खुले विचारों वाली विद्वता और वास्तविक बहस ''बहुलवादी समाज और जीवंत लोकतंत्र के रूप में हमारे विकास'' के लिए अहम है।

जयशंकर ने रेखांकित किया कि टीपू सुल्तान भारतीय इतिहास में एक ''जटिल शख्सियत'' हैं।

ट्रंप ने काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद के लिए नामित किया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक पद के लिए अपने निकट सहयोगी एवं विश्वासपात्र काश पटेल को नामित किया। यह चयन ट्रंप के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि सरकार की कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। साथ ही ट्रंप ने अपने विरोधियों के विरुद्ध प्रतिशोध की इच्छा जताई है। ऐसे में इस पद के लिए पटेल का चयन मायने रखता है। ट्रंप ने एक पोस्ट में लिखा, पटेल ने रूस के संबंध में फैलाए गए झूठ को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह सच्चाई, जवाबदेही एवं संविधान के समर्थक के रूप में खड़े रहे। ट्रंप ने अपने स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि कश्यप काश पटेल एफबीआई के अगले निदेशक के रूप में काम करेंगे।

पुलिस से सतर्क व विश्वसनीय बनने का मोदी का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुलिस से 'स्मार्ट पुलिसिंग' को आगे बढाते हुए रणनीतिक, सतर्क, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी ने शनिवार और रविवार को लगातार दो दिन भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।

समापन सत्र में प्रधानमंत्री ने गुप्तचर ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक वितरित किए। उन्होंने समापन भाषण में डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर-अपराध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी ए आई तकनीक के कारण उत्पन्न संभावित खतरों विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए डीप फेक की क्षमता पर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इसके जवाब में पुलिस नेतृत्व से देश की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 'एस्पिरेशनल इंडिया' की दोहरी एआई शक्ति का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सतर्क, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया।

ट्रंप ने दी ब्रिक्स को चेतावनी

मुद्रा के रूप में डॉलर इस्तेमाल नहीं करने पर लगेगा 100 प्रतिशत शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी मुद्रा के इस्तेमाल को लेकर ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी।

ट्रंप ने भारत, रूस, चीन और ब्राजील समेत नौ देशों के समूह ब्रिक्स से यह वादा करने को कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे।

साल 2009 में स्थापित ब्रिक्स एकमात्र बड़ा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें अमेरिका शामिल नहीं है। ब्रिक्स के अन्य सदस्य दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथोपिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं। बीते कुछ वर्षों में ब्रिक्स देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर के विकल्प के तौर पर ब्रिक्स की अपनी मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि भारत अभी तक ऐसे किसी कदम में शामिल नहीं रहा है। ट्रंप ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को ऐसे किसी भी कदम को लेकर आगाह किया।

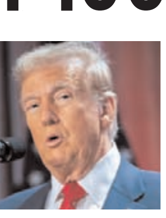

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम मूकदर्शक बनकर देखते रहें, वह दौर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि वे देश वादा करें कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा और उन्हें अद्भुत अमेरिकी बाजारों में अपना सामान बेचने की उम्मीद छोड़ देनी होगी।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहे कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है??

भारत-फ्रांस अब परस्पर मजबूत आर्थिक समझौता करने पर विचार कर रहे हैं : सोफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस की विदेश व्यापार मंत्री सोफी प्राइमस ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठ साझेदारी के बाद भारत और फ्रांस अब विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा, नई प्रौद्योगिकियों और विमानन जैसे क्षेत्रों में आर्थिक और व्यापार संबंधों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं।

भारत की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंत में प्राइमस ने कहा कि फ्रांस 'पारस्परिक रूप से लाभकारी' मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली और यूरोपीय संघ के बीच आगे की बातचीत की उम्मीद कर रहा है जो दो-तरफा आर्थिक संबंध का विस्तार कर सकता है। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन कार्बन कर पर 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के रुख सहित कई अन्य कारणों से बातचीत लंबी खिंच गई।

प्राइमस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं यह भी जोड़ना चाहूंगी कि यूरोपीय संघ के स्तर पर, हम यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो पारस्परिक रूप से लाभप्रद है और जिसके महत्वाकांक्षी सतत विकास लक्ष्य हैं। हम यूरोपीय संघ के स्तर पर भारत के साथ आगे की बातचीत की उम्मीद कर रहे हैं। भारत-फ्रांस व्यापार संबंधों पर फ्रांसीसी मंत्री ने कहा कि अब ध्यान आर्थिक जुड़ाव के विस्तार पर है क्योंकि दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक क्षेत्र में पहले से ही एक मजबूत साझेदारी है। फ्रांसीसी विदेश व्यापार मंत्री ने 27 से 29 नवंबर तक भारत का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच अधिक निवेश प्रवाह को प्रोत्साहित करने के तरीकों सहित कई मुद्दों पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत की। उन्होंने एक लिखित जवाब में कहा, भारत एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और भारत में फ्रांसीसी निवेश के लिए व्यापक अवसर हैं। हम वैमानिकी, सतत विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों में बड़ी संभावनाएं देखते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में दोनों पक्षों के बीच व्यापार संबंध बढ़े हैं, लेकिन दोनों पक्षों का मानना है कि इसे अभी और बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

गैर-प्रवासियों से विवाह करने वाली कश्मीरी पंडित युवतियों के प्रवासी दर्जे में कोई बदलाव नहीं : अदालत

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने कहा है कि कश्मीरी पंडित युवतियों के गैर-प्रवासियों से विवाह करने पर उनके प्रवासी दर्जे में कोई बदलाव नहीं होगा। अदालत ने यह टिप्पणी 'पीएम रोजगार पैकेज' के तहत चयनित दो महिलाओं के पक्ष में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश को बरकरार रखते हुए की। सीमा कौल और विशालनी कौल ने 2018 में तब उच्च न्यायालय का रुख किया था, जब कश्मीरी प्रवासियों के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत आपदा प्रबंधन राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग में विधि सहायक के पद पर अनंतिम चयन पर रोक लगा दी गई थी कि गैर-प्रवासी व्यक्तियों से विवाह करने की वजह से उन्होंने अपना प्रवासी दर्जा खो दिया है।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी की खंडपीठ ने पिछले महीने सात पृष्ठों के अपने आदेश में कहा, इस अदालत के समक्ष एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न यह उठता है कि क्या एक महिला को, जिसे उसके और उसके परिवार द्वारा झेली गई उस पीड़ा के कारण प्रवासी का दर्जा दिया गया है, जिसके कारण उन्हें कश्मीर घाटी में अपना घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा...।

कानून-व्यवस्था का मुद्दों उठाया था, लेकिन मुझ पर ही हमला करा दिया गया : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर कथित निष्क्रियता के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय 30 नवंबर को उनकी पदयात्रा के दौरान उन पर हमला कराया गया।

भाजपा ने अब तक आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केजरीवाल ने कहा, मुझ पर फेंका गया तरल पदार्थ नुकसादायक नहीं था, लेकिन यह खतरनाक हो सकता था। पिछले 35 दिन में मुझ पर हुआ यह तीसरा हमला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर यह संदेश देने का भी आरोप लगाया कि अपराधियों के बजाय शिकायतकर्ताओं को ही गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा। केजरीवाल ने 'आप' विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की भी आलोचना की जिन्होंने पहले गैंगस्टरों द्वारा जबरन वसूली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आप विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि इससे यह संदेश गया है कि जो लोग अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे, उन्हें जेल भेजा जाएगा, जबकि गैंगस्टर को संरक्षण दिया जाएगा। केजरीवाल ने दावा किया, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय, अमित शाह और भाजपा ने मुझ पर हमला करा मेरे विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली चुनावः आठ दिसंबर को 'परिवर्तन यात्रा' शुरू करेगी भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आठ दिसंबर से शहर के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 'परिवर्तन यात्रा' निकालेगी। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को यह जानकारी दी।

अभियान की निगरानी के लिए गठित एक समिति के संयोजक सतीश उपाध्याय ने कहा कि परिवर्तन यात्रा दिल्ली के सभी सात लोकसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू की जायेगी और 20 दिसंबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि यात्राएं पूर्वाह्न 10 बजे विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख धार्मिक स्थलों से शुरू होंगी और उनका समापन रात आठ बजे होगा।

उपाध्याय ने कहा कि भाजपा के शीर्ष राष्ट्रीय नेता और केंद्रीय मंत्री दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ इन यात्राओं में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन नेता दिल्ली के लोगों से मिलने के लिए पदयात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे तक प्रमुख स्थानीय लोगों, महिलाओं, सामाजिक-धार्मिक संगठनों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से बातचीत की जाएगी। उपाध्याय ने बताया कि शाम को फिर से विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख इलाकों में पैदल मार्च निकाला जाएगा।

भाजपा वर्ष 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर है और आम आदमी पार्टी (आप) से सत्ता छीनने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। 'आप' ने 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में क्रमशः 67 और 62 सीट जीती थीं।

हिमाचल प्रदेश में आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में जिला, उपमंडल और पंचायत स्तर पर उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे। पहले चरण में 88 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 493 पुस्तकालयों की योजना बनाई गई है।

रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि शनिवार शाम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्राचार्यों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने उच्च रैंकिंग वाले संस्थानों के लिए प्रदर्शन आधारित अनुदान की घोषणा की।

सरकारी डिग्री और संस्कृत कॉलेजों में पुस्तकालयों की ग्रेडिंग जारी करते हुए उन्होंने सभी सरकारी क्षेत्रों में प्रणालीगत परिवर्तन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थानों के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार कॉलेज प्राचार्यों की वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों को बढ़ाने तथा शिक्षा विभाग में विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बिना डिग्री का कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा शिक्षा के आधुनिकीकरण तथा नवीनतम चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए भी अभिनव कदम उठा रही है तथा इस वर्ष इस क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान लगभग 15,000 शिक्षकों के पद सृजित किए गए हैं तथा इन्हें चरणबद्ध तरीके से भरा जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी अवास्तविकः जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों को यह चेतावनी अवास्तविक है कि यदि ब्रिक्स समूह अमेरिकी डॉलर का स्थान लेगा तो वे 100 प्रतिशत सीमा शुल्क लगा देंगे। शोध संस्थान जीटीआरआई ने रविवार को यह विचार रखते हुए कहा कि भारत को एक व्यावहारिक स्थानीय मुद्रा व्यापार प्रणाली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

साल 2009 में गठित ब्रिक्स एकमात्र ऐसा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका अमेरिका हिस्सा नहीं है। इसके अन्य सदस्य दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) हैं। पिछले कुछ वर्षों में इसके कुछ सदस्य देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाश रहे हैं या अपनी खुद की ब्रिक्स मुद्रा बना रहे हैं। भारत अभी तक इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है।

शनिवार को ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को इस तरह के कदम के खिलाफ चेतावनी दी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि इस पैमाने पर शुल्क से केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही नुकसान होगा क्योंकि इससे आयात की कीमतें बढ़ेंगी, वैश्विक व्यापार बाधित होगा और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों से प्रतिशोध का जोखिम होगा। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ब्रिक्स मुद्रा अपनाने वाले देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की ट्रंप की धमकी वास्तविक नहीं है और व्यावहारिक से ज़्यादा प्रतीकात्मक है। भारत के लिए, विवेकपूर्ण दृष्टिकोण एक पारदर्शी और खुले मुद्रा विनिमय की स्थापना करके स्थानीय मुद्रा व्यापार को व्यावहारिक बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि भारत का सर्वोत्तम हित न तो अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व में है और न ही इस समय ब्रिक्स मुद्रा को पूरी तरह अपनाने में है। उन्होंने कहा, अपने स्वयं के वित्तीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर, भारत वैश्विक व्यापार की बदलती गतिशीलता को बेहतर ढंग से संचालित कर सकता है। उन्होंने कहा कि संप्रभु राष्ट्रों को धमकाने से राजनयिक संबंध कमजोर होते हैं और आज की दुनिया की बहुध्रुवीय प्रकृति की अवहेलना होती है।

महबूबा ने धर्म के आधार पर बांटने की कोशिशों के खिलाफ एकजुट लड़ाई का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट लड़ाई का रविवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा, देश में हालात अच्छे नहीं हैं। महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार (वल्लभभाई) पटेल, (बी आर) आंबेडकर जैसे नेताओं ने इस देश को हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के लिए घर बनाया। गांधी ने इसके लिए अपनी जान तक कुर्बान कर दी।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, हालांकि, लोगों को (धर्म के आधार पर) एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जा रहा है और मुझे अंदेशा है कि हमें 1947 जैसी स्थिति की ओर धकेला जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को रोजगार, शिक्षा, अच्छे अस्पताल और सड़कें उपलब्ध कराने में विफल रही है और मंदिर खोजने के बहाने मस्जिदों को निशाना बनाकर लोगों का ध्यान भटका रही है। महबूबा ने कहा, देश में बिल्कुल यही हो रहा है। हाल में संभल (उत्तर प्रदेश) में चार निर्दोष युवकों की हत्या कर दी गई, लेकिन उनके लिए कौन बोलेगा? ऐसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को उमर खालिद की तरह जेल में डाल दिया जाएगा, जो पिछले चार सालों से सलाखों के पीछे है। मौजूदा हालात में कोई सुनने वाला नहीं है।

पीडीपी नेता ने एक याचिका का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि अजमेर शरीफ दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और सिखों सहित विभिन्न धर्मों के लोग 800 साल पुराने इस दरगाह में जाते हैं जो गंगा-जमुनी संस्कृति का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने कहा, वे मंदिर की तलाश में इस दरगाह को भी खोदना चाहते हैं...यह कब तक चलेगा?'' पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि लोगों को इसका मुकाबला करने के लिए खड़ा होना होगा अन्यथा बांग्लादेश और हमारे देश में क्या अंतर है। महबूबा ने कहा, बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाई उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं, लेकिन अगर हम यहां (भारत में) अल्पसंख्यकों के साथ ऐसा ही करते हैं, तो क्या अंतर रहेगा? हमारा इतना महान देश है, जिसे दुनिया भर में उसके धर्मनिरपेक्ष स्वरूप के लिए जाना जाता है। महबूबा ने कहा कि यह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने बांग्लादेश को स्वतंत्रता हासिल करने में मदद की थी। हमारे देश में अधिकांश हिंदू धर्मनिरपेक्ष हैं और मुझे इस बारे में कोई संदेह नहीं है। हमें इस उभरती स्थिति का मुकाबला करने के लिए खड़ा होना होगा क्योंकि हमें एक साथ रहना है और कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

अगर अजित पवार की राकांपा सहयोगी नहीं होती तो शिवसेना 90-100 सीटें जीत लेती : शिवसेना विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना विधायक गुलाबराव पाटिल ने रविवार को कहा कि यदि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महायुति का हिस्सा नहीं होती तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी 20 नवंबर के विधानसभा चुनाव में 90 से 100 सीटें जीत जाती।

महायुति में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। पवार पिछले साल जुलाई में शिंदे सरकार में शामिल हुए थे और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

पाटिल ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, हमने केवल 85 सीटों पर चुनाव लड़ा। अजित दादा के बिना हम 90-100 सीटें जीत सकते थे। शिंदे ने कभी नहीं पूछा कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को उनकी सरकार में क्यों शामिल किया गया।

विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें महायुति ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतकर जीत दर्ज की थी। भारतीय जनता पार्टी 132 सीटों के साथ सबसे आगे थी, उसके बाद शिंदे की शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीटें मिली थीं।

सरकार गठन पर पाटिल ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री शिंदे परेशान नहीं हैं। हाल ही में जलगांव ग्रामीण सीट से 59,000 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतने वाले पाटिल ने कहा, हमारे नेता बड़े दिल वाले हैं और परेशान नहीं हैं। उन्होंने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वह एक योद्धा हैं, जिन्हें हताश नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला भाजपा करेगी और सहयोगी दलों के फैसले को शिंदे का समर्थन प्राप्त होगा।

जीएसटी संग्रह नवंबर में 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने से नवंबर में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपए, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा। नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपए था। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था। अब तक का सबसे अधिक संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपए हो गया।

इस महीने के दौरान 19,259 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.9 प्रतिशत कम है। रिफंड समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपए हो गया।

तेलंगानाः पुलिस से मुठभेड़ में 20 लाख के इनामी समेत सात माओवादी ढेर

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुलुगु जिले में रविवार सुबह पुलिस से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन के 20 लाख रुपए के इनामी एक प्रमुख नेता समेत सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य और येलंडु-नरसंपेट क्षेत्र समिति के सचिव कुरसाम मंगू उर्फ भद्रू और एक महिला कार्यकर्ता भी शामिल है। मारे गए सात माओवादियों में से छह छत्तीसगढ़ के मूल निवासी थे।

पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल 'ग्रेहाउंड्स' और माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई।

बजाज फाइनेंस के साथ क्रेडिट कार्ड समझौता खत्म करना कोई बड़ी बात नहीं : आरबीएल बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बजाज फाइनेंस के साथ वर्षों पुराने क्रेडिट कार्ड वितरण समझौते को खत्म करने के बाद निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक को उत्पाद की नई बिक्री की गति पर लौटने में एक तिमाही का समय लग सकता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह अनुमान जताया है।

बैंक के कारोबार प्रमुख बिक्रम यादव ने पीटीआई-भाषा से कहा कि निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने पिछले 18 महीनों से गैर-बैंकिंग ऋणदाता पर अपनी निर्भरता कम कर दी है, लेकिन साझेदारी के तहत एक लाख से अधिक कार्डों में से लगभग 30 प्रतिशत सह-ब्रांडेड कार्ड हैं।

बिक्रम यादव ने कहा कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब क्रेडिट कार्ड के मोर्चे पर समग्र माहौल असुरक्षित ऋण को लेकर चिंताओं के कारण थोड़ा सतर्क है। उन्होंने कहा कि बैंक को नए कार्ड की बिक्री की सामान्य गति पर वापस आने में लगभग एक तिमाही का समय लगेगा।

यादव ने कहा, अप्रैल से हम फिर उसी अनुपात पर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आय सृजन के दृष्टिकोण से

RBL BANK

गठजोड़ का अंत तटस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा बेचे जाने वाले कार्डों में से लगभग आधे कार्ड उसके अपने वितरण इंजन के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं, जहां पिछले 18 महीनों में इसने इस कार्य के लिए 3,000 समर्पित कर्मचारियों को नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि गठजोड़ समाप्त करने से क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेशकश के तहत भी परिसंपत्ति का चयन बैंक के हाथ में था।

इसके रणनीति प्रमुख जयदीप अय्यर ने कहा कि अब से ध्यान बैंक की पेशकशों से 54 लाख क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को अधिक उत्पाद बेचने पर होगा।

उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड आधार में बजाज फाइनेंस द्वारा वितरित सह-ब्रांडेड पेशकश वाले 34 लाख ग्राहक शामिल हैं। ये प्रति माह 10,000 करोड़ रुपए तक खर्च करते हैं और बैंक दोपहिया ऋण, स्वर्ण ऋण, वाहन ऋण और गृह ऋण जैसी अन्य पेशकशों के लिए भी इसी आधार का उपयोग करना चाहेगा।

अय्यर ने कहा कि करीब 18 महीने पहले जब बजाज फाइनेंस अपने चरम पर था, तो वह बैंक द्वारा एक महीने में बेचे जाने वाले कार्डों का 80 प्रतिशत तक वितरित कर रहा था, जो अब घटकर 30 प्रतिशत रह गया है। अय्यर ने कहा, हमने अब वितरण क्षमता बढ़ा ली है, जिससे बजाज फाइनेंस के साथ साझेदारी का अंत अब कोई बड़ी बात नहीं रह गई है।

योगी की तरह भूमि जिहादियों को सबक सिखाये मुख्यमंत्री धामी : भाजपा विधायक टी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा के विधायक टी राजा ने रविवार को यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष योगी आदित्यनाथ की तरह भूमि जिहादियों को सबक सिखाने को कहा।

राजा ने उत्तरकाशी में मस्जिद के खिलाफ हिंदूवादी संगठन 'देवभूमि विचार मंच' की ओर से आयोजित महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि वह हैदराबाद से यहां मुख्यमंत्री धामी से कहने आए हैं कि वह योगी से चाय पर चर्चा करें। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में योगी जी जिस प्रकार से भूमि जिहादियों को सबक सिखाते हैं, आपको (धामी) भी उत्तराखंड में कुछ बुलडोजर खरीदने की आवश्यकता है। राजा ने धामी को प्रदेश के एक करोड़ हिंदुओं का समर्थन होने का दावा करते हुए कहा कि उन्हें उनकी भावनाएं समझनी चाहिए। उन्होंने कहा, वे (हिंदू) भूमि जिहाद मुक्त उत्तराखंड चाहते है। उत्तराखंड स्वर्ग है लेकिन उसे नर्क बनाने का जो षडयंत्र भूमि जिहादियों द्वारा किया जा रहा है, हमारे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को सावधान होकर उन सभी को सबक सिखाने की आवश्यकता है। राजा ने महापंचायत में मौजूद लोगों से कहा कि जो राजनीतिक दल उनसे वोट मांगने आएं, वे उन्हें यह अहसास करवा दें कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें भूमि जिहादियों को वहां से खदेड़ना होगा। उन्होंने नौजवानों से कहा कि यह केवल उत्तरकाशी का नहीं बल्कि संपूर्ण उत्तराखंड का मुद्दा है और भूमि जिहाद व लव जिहाद से बचने के लिए सबकों एक होने की जरूरत है।

कर्नाटक के खिलाड़ियों को आवश्यक विशेषाधिकार-सहायता देने के लिए हमेशा तैयार हूं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैं राज्य के एथलीटों को आवश्यक विशेषाधिकार-सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार हूं। राज्य के बजट में खेल क्षेत्र को लगातार अनुदान दिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को राज्य से किसी को ओलंपिक में देश के लिए स्वर्ण पदक लाने का आह्वान किया। उन्होंने यवनिका में कर्नाटक ओलंपिक संगठन द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह का उद्घाटन करते हुए और एथलीटों को पुरस्कार वितरित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए 6 करोड़ रुपये रखे गए हैं। हमने रजत पदक विजेताओं के लिए 4 करोड़ रुपये रखे हैं। लेकिन कोई मेडल नहीं लाता। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे देश के लिए स्वर्ण पदक जीत कर लाएं।

कर्नाटक ओलंपिक संगठन 22 वर्षों से एथलीटों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ये पुरस्कार दे रहा है। ओलंपिक संगठन के अध्यक्ष के रूप में गोविंदराजू खेल क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जब मैं बजट बनाता हूं तो गोविन्दराजू चर्चा में बैठते हैं और स्टेडियम के लिए आवश्यक सभी चीजें जोड़ते हैं। मैं एक एथलीट नहीं हूं लेकिन एक खेल प्रशंसक हूं।' मैंने स्कूल और कॉलेज में सभी खेलों में भाग लिया। चाहे उन्हें एक भी पुरस्कार नहीं मिला लेकिन उन्हें याद आया कि विधायकों के लिए खेल आयोजन में उन्हें सिक्कापट्टे पुरस्कार मिला था।

इस मौके पर ओलंपिक संगठन के अध्यक्ष गोविंदराजू ने मुख्यमंत्री से स्कूली बच्चों को खेलों में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने की सुविधा के लिए खिलाड़ी बच्चों को 25 प्रतिशत उपस्थिति और 10 अंग अनुग्रह अंक के रूप में देने का नियम बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी मांग उचित हैं वह इस बात को गंभीरता से लेंगे।

इस मौके पर गृह मंत्री जी परमेश्वर, कर्नाटक ओलंपिक संगठन के अध्यक्ष, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू सहित विभाग के अधिकारी और महत्वपूर्ण अधिकारी उपस्थित थे।

'अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करे केंद्र'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने रविवार को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर चिंता व्यक्त की और केंद्र से क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए पड़ोसी देशों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया।

दास ने बांग्लादेश में सताए गए अल्पसंख्यकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए हरे कृष्ण हिल में आयोजित एक शांतिपूर्ण संकीर्तन को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की परेशान करने वाली खबरें मिल रही हैं। हम स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं और उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश सरकार चिन्मय कृष्ण प्रभु, इस्कॉन भक्तों और अन्य सभी सताए गए अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।'' उन्होंने कहा, ''हम भारत सरकार से यह भी अनुरोध करते हैं कि वह क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर काम करे।''

दास ने बेंगलूरु में आयोजित कार्यक्रम के बारे में कहा कि मंदिर में संकीर्तन का आयोजन पीड़ितों के प्रति इस्कॉन की ओर से समर्थन और एकजुटता प्रकट करने तथा उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना करने के लिए किया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि हाल के महीनों में, हिंदू समुदाय को बांग्लादेश में हमलों एवं प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है, जिसमें बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और एक प्रमुख भक्त नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की हाल ही में ढाका पुलिस द्वारा गिरफ्तारी भी शामिल है। उन्होंने कहा, मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है और सनातन धर्म के अनुयायी गंभीर खतरे में हैं। कट्टरपंथी भीड़ ने अपने हमलों के दौरान कई लोगों की हत्या भी की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों पर इस तरह के हमले जारी हैं और इसे रोकने की जरूरत है।''

राजभवन में उत्तराखंड, झारखंड, नागालैंड और असम का स्थापना दिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को राजभवन में उत्तराखंड, झारखंड, नागालैंड और असम का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, नागालैंड और असम राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग और मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने उस दिन उत्तराखंड, झारखंड, नागालैंड और असम राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को दर्शाते हुए विभिन्न रंगारंग और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि भारत का प्रत्येक राज्य अपनी विशेषताओं और धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के कारण अद्वितीय है। राज्यों की ये विशेषताएँ भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित करती हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में मनाये जाने वाले त्यौहारों एवं उत्सवों की संकल्पना एवं उद्देश्यों में समानता एवं सौहार्द्र दृष्टिगोचर होता है। उन्होंने कहा, एक भारत श्रेष्ठ भारत विचारधारा से प्रेरित ऐसे कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता को बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और आपसी समझ की भावना को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं देश के सभी राज्यों के स्थापना दिवस को सभी राजमहलों में मनाने की अवधारणा को लागू करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि उनकी प्रेरणा से प्रत्येक राज्य का स्थापना दिवस अन्य राज्यों में भी मनाया जाता है, जिससे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

उत्तराखंड अपनी भौगोलिक स्थिति, जलवायु, प्राकृतिक दृश्यों और संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उत्तराखंड राज्य तीर्थाटन एवं पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है।

झारखंड राज्य प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संसाधनों से समृद्ध है। यह एकमात्र राज्य है जो यूरेनियम, कोकिंग कोयला और पाइराइट का उत्पादन करता है। राज्यपाल ने बताया कि नागालैंड और असम राज्य दुर्लभ जैव विविधता से समृद्ध है, राज्य में कई दुर्लभ सुगंधित और औषधीय पौधे पाए जाते हैं। देश के विकास में सभी राज्यों का अहम योगदान है। देश के विकास के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। राज्यपाल ने हम सभी से 2047 तक विकसित भारत के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध होने और योगदान देने का आह्वान किया।

समझौता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के औद्योगिक और नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हीरो फ्यूचर एनर्जीज़ प्राइवेट लिमिटेड (एचएफईपीएल) ने 30 नवम्बर कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 11,000 करोड़ रुपये का यह समझौता ज्ञापन कर्नाटक में नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव में परियोजनाएं स्थापित करने के लिए है। हस्ताक्षर समारोह में कर्नाटक सरकार के बड़े और मध्यम उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एमबी पाटिल; डॉ. सेल्वाकुमार एस, आईएएस, वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव; और श्रीमती गुंजन कृष्णा, आईएएस औद्योगिक विकास आयुक्त और वाणिज्य और उद्योग विभाग की निदेशक उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में हीरो फ्यूचर एनर्जीज का प्रतिनिधित्व इसके मुख्य वित्तीय अधिकारी और कंपनी सचिव श्री बेंजामिन पॉल फ्रेजर ने किया। कर्नाटक में एचएफईपीएल की प्रस्तावित परियोजनाओं में 2025-26 से शुरू होने वाले 2-3 वर्षों में कुल 11,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल होगा। इन पहलों से कर्नाटक में लगभग 3,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

इसरो 4 दिसंबर को ईएसए का 'प्रोबा-3' मिशन प्रक्षेपित करेगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने रविवार को कहा कि इसरो का भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ईएसए के 'प्रोबा-3' मिशन को लेकर चार दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के 'प्रोबा-3' मिशन में इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) सहयोग कर रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह मिशन ईएसए के प्रोबा-3 उपग्रहों (550 किग्रा) को एक विशिष्ट उच्च अण्डाकार कक्षा में स्थापित करेगा, जो जटिल कक्षीय अभियानों की पीएसएलवी की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा। इसरो के मुताबिक, उपग्रह बुधवार शाम चार बजकर आठ मिनट पर उड़ान भरेगा। ईएसए ने कहा कि 'प्रोबा-3' सूर्य के परिमंडल की सबसे बाहरी और सबसे गर्म परत का अध्ययन करेगा।

हासन में होने वाले समावेश को लेकर कर्नाटक कांग्रेस समिति के प्रदेशाध्यक्ष डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में रविवार को नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बठक में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जीसी चंद्रशेखर, वसंत कुमार, मंत्री चालुवरायस्वामी, बोसराज, सांसद श्रेयस पटेल, वरिष्ठ नेता नरेंद्रस्वामी, शंकरलिंगेगौड़ा, बीएल शंकर, रामनाथ राय और अन्य सहित हासन क्षेत्र के नेतागण उपस्थित थे।

प्रशासन को नया स्वरूप देने वाले महान नेता थे केंगल हनुमंतैया : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि केंगल हनुमंतैया एक महान नेता थे, जिन्होंने 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री और फिर रेल मंत्री बनकर देश का शासन बदल दिया। रविवार को उनकी स्मृति दिवस के मौके पर विधान सौधा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा पर फूल चढ़ाने के बाद मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हनुमंतय्याजी की इच्छा थी कि उनके पार्थिव शरीर की विधान सौधा के चारों ओर परिक्रमा की जाए। यह पूरी हुई। उनकी स्मृति में विधान सौधा में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है। इसका नाम केंगल हनुमंतय्या द्वार रखा गया है।

उन्होंने राज्य के लिए विधानसौधा नामक एक लैंडमार्क दिया है। विधानसौधा सरकार का एक भव्य प्रशासनिक कार्यालय है। विधानसभा के रूप में पूरे देश में इसके जैसी कोई अन्य इमारत नहीं है। उन्होंने कहा, वह राम और अंजनेय के बहुत बड़े भक्त थे, जिन्होंने नजदीकी शहर का नाम बदलकर 'रामनगर' रखा था। उन्होंने ही उस शहर का नाम भी बदला था, जिसे फ्रेंच रॉक्स कहा जाता था, जिसे आज 'पांडवपुरा' कहा जाता था।

सांसद बसवराज बोम्मई ने शिग्गावी सावनूर निर्वाचन क्षेत्र में रुके हुए कार्यों को शुरू करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। भाजपा सरकार के दौरान शिग्गवी सावनूर विधानसभा क्षेत्र के लिए 300 करोड़ रुपये मंजूर किये गये। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से बकाया धनराशि जल्द से जल्द जारी करने और रुके हुए कार्यों को शुरू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखा है। उन्होंने हाल ही के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार ने शिग्गामवी-सवानूर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में जीत हासिल की है, उसके लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। बोम्मई ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में इस क्षेत्र के लिए कई परियोजनाओं और कार्यों के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया था, जिनमें से कुछ को रोक दिया गया। कुछ काम रद्द कर दिए गए हैं। ये कार्य ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, सिंचाई, मुजाराय, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग विभागों और निगमों द्वारा किए गए थे। इन विभागों द्वारा बंद किये जाने वाले कार्यों को

पुन: शुरु करने और उसके लिए अनुदान जारी करने की उन्होंने मांग की। बोम्मई ने बताया कि शिग्गावी में 250 बिस्तरों वाले सार्वजनिक अस्पताल भवन के निर्माण के लिए 96.50 करोड़ प्रस्तावित है। जिसके लिए स्वीकृत, 27.34 करोड़ रु. लंबित है। शिग्गावी में वीवीआईपी गेस्ट हाउस, सरकारी उपकरण प्रशिक्षण केंद्र (जेटीटीसी) भवन के निर्माण, शीतगृह निर्माण, शिग्गावी में टेक्सटाइल पार्क के निर्माण, सावनूर आयुर्वेदिक अस्पताल भवन के निर्माण के लिए लंबित राशि को शीघ्र ही जारी किया जाए जिससे क्षेत्र में विकास कार्य हो सकें। बोम्मई ने कहा कि सिद्दरामय्या दूसरे सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य का भार उठा रहे हैं। उनके अनुभव में उन्हें समय-समय पर कार्यों को ठीक से पूरा करने के लिए कहने की जरूरत नहीं पड़ती। निर्माणाधीन आधे से अधिक कार्यों को पूरा करना विशेष रूप से आवश्यक है। उन्होंने पत्र में कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह उपरोक्त कार्यों को पूरा करने और शिगांव-सवानूर निर्वाचन क्षेत्र के विकास में सहयोग करेंगे, जैसा कि उन्होंने उपचुनाव अभियान के दौरान वादा किया था।

पुष्पांजलि

रविवार को विधानसौधा में पूर्व मुख्यमंत्री केंगल हनुमंतैया के स्मृति दिवस के मौके पर पश्चिम गेट पर स्थित केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसराजू, केंगल हनुमंतैया के परिवार के सदस्य मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी। आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे बेल्लारी जिले में रविवार तड़के एक कार के पेड़ से टकरा जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार में सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कार में सवार व्यक्ति बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के अनंतपुर होते हुए बेल्लारी लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि तड़के चार बजे चालक ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन पेड़ से टकरा गया।

पुडुचेरी में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त

पुडुचेरी। पुडुचेरी में चक्रवात 'फेंगल' के चलते हुई भारी बारिश के कारण रविवार को जनजीवन प्रभावित हुआ। फेंगल 30 नवंबर को यहां तट से गुजरा था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पुडुचेरी में आज सुबह नौ बजे तक पिछले 24 घंटों में 46 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। चक्रवात फेंगल के कारण भारी बारिश हुई, जिसकी वजह से बुलीवर्ड सीमा के बाहरी इलाकों में सभी रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। शनिवार रात 11 बजे से अधिकतर इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप होने की खबर मिली है। कई आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया और निवासी कई घंटों तक घरों से बाहर नहीं निकल पाए।

'फेंगल' का असर कर्नाटक में भी दिखा

बेंगलूरु। पुडुचेरी के पास शनिवार को पहुंचा चक्रवात 'फेंगल' रविवार को कमजोर पड़ गया। हालांकि, इसके प्रभाव से केंद्र-शासित प्रदेश में होने वाली मूसलाधार बारिश की वजह से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाढ़ग्रस्त सड़कों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा।

इस चक्रवात 'फेंगल' का असर शनिवार से बेंगलूरु में भी दिखने लगा। शनिवार को शहर में बाद छाए रहे। कहीं कहीं पानी की बौछारें हुई। रविवार को सुबह से मौसम ने करवट ले ली। बेंगलूरु, मैसूरु, मंडया, रामनगर, तुमकुरु आदि जिलों में रविवार को ठंड बढ़ गई। कर्नाटक के कई जगहों पर बारिश होती रही। रविवार को शाम से बेंगलूरु में लगातार बारिश होती रही।

इसके अलावा कर्नाटक में कई जगहों पर येलो और रेड अलर्ट दिया गया है। चक्रवात फेंगल के प्रभाव के कारण उडुप्पी, दक्षिण कन्नड़, रामनगर, मांड्या, मैसूरु, चिक्कमगलूरु, हासन, कोडागु और कोलार जिलों में तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। चिक्कमगलुरु, हासन, कोडागु, मांड्या, मैसूरु, शिम्मागेगा जिलों में 3 दिसंबर को अत्यधिक हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। इसी तरह, 5 दिसंबर को उत्तर कन्नड़, बीदर, कलबुर्गी, यादगिरी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश होगी। बेंगलूरु में दोपहर से ही बारिश शुरू हो गई है। सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और ठंड के साथ बारिश भी हो रही है, ऐसे में लोगों को वीकेंड खराब हो गया। जो लोग शॉपिंग और मूवी देखने के लिए प्लान बना रहे थे कि बारिश ने सभी प्लान पर पानी फेर दिया। अगले पांच दिनों पर बेंगलूरु और आसपास के जिलों में अच्छी ठंड पड़ने की मौसम विभाग ने बात कही है।

जबरन किसी का धर्मांतरण न हो, ऐसा होना ही चाहिए कानून : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार के लाए जा रहे धर्मांतरण कानून का स्वागत करते हुए ने कहा है कि जबरन किसी का भी धर्मांतरण न हो, निश्चित रूप से ऐसा कानून होना ही चाहिए। हम सब लोग राजस्थान सरकार के इस निर्णय के साथ हैं। अपने गृह जो जोधपुर पहुंचे शेखावत ने रविवार को मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण न हो, राजस्थान में इस तरह का कानून राज्य सरकार लेकर आ रही है, वह इसका स्वागत करता हैं।

कांग्रेस के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उंगली उठाने के सवालों पर शेखावत ने कहा कि झारखंड और जिन सीटों पर वो जीते हैं, पहले उसका स्पष्टीकरण दे दें। यह सब खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी स्थिति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मैंने भी मतगणना से पहले कहा था कि परिणाम के दिन शाम तक ईवीएम बदनाम हो जाएगी। ईवीएम को बदनामी मिल रही है। आने वाले समय में वो जब चुनाव हारेंगे, तब ईवीएम को इसी तरह से कोसेंगे।

राजस्थान में उपचुनाव परिणाम को लेकर शेखावत ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि हम एक से अनेक होने वाले हैं। कांग्रेस, उसकी विचारधारा, नेतृत्व को देश-प्रदेश की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है। यह विभाजनकारी राजनीति करने वाले लोग हैं। इनकी चाल, चरित्र और चेहरे बेनकाब हो गए हैं। राजस्थान और देश की जनता इनको कभी अवसर नहीं देगी।

प्रयागराज में आगामी जनवरी-फरवरी में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ पर शेखावत ने कहा कि महाकुम्भ दुनिया का मनुष्यों का सबसे बड़ा समागम है। भारत की वर्ल्ड हेरिटेज इनटेंजिबल ऐसेट है। विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित है। महाकुम्भ को लेकर उत्तरप्रदेश सरकार से हमारा कई बार विचार-विर्मश हुआ है। इस तरह की अपेक्षा है कि महाकुम्भ में 45 दिन में 45 करोड़ लोग आएंगे। हर आने वाले व्यक्ति के कम्युनिकेशन, कम्प्यूटेशन, सेनिटेशन और उसका एक्सपीरियंस, इन चारों चीजों को लेकर केंद्र सरकार और उत्तरप्रदेश सरकार काम कर रही है। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और दुनिया के अलग-अलग कोनों से आने वाले पर्यटकों को पूरे भारत का दर्शन एक स्थान पर हो, इसको लेकर संस्कृति मंत्रालय ने बड़ी योजना का निर्माण किया है। उसको लेकर हम काम कर रहे हैं।

उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिनेवा कन्वेंशन के आधार पर तय हुआ था कि सेना बॉर्डर से पीछे रहेगी। उसी के अनुरूप भारत में सीमा प्रहरियों के रूप में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का गठन हुआ। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के समय में निर्णय हुआ कि एक फोर्स, एक सीमा की रक्षा करे, तब से लेकर पाकिस्तान और बंगलादेश दोनों सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल देश के सबसे बड़े केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के रूप में काम कर रही है। अपने नाम के अनुरूप सीमाओं की रक्षा एवं सुरक्षा कर इसने अद्भुत काम किया है। उन्होंने कहा कि लगता है कि पूरे विश्व भर में एकमात्र केंद्रीय रिर्जव पुलिस है, जिसके पास में जल, थल और नभ, तीनों पर काम करने की जिम्मेदारी भी है, क्षमता भी है और अनुभव भी है।

शेखावत ने कहा कि बीएसएफ ने 1971 की लड़ाई में, कारगिल की लड़ाई एवं जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अद्भुत पराक्रम का परिचय दिया है। वह सुरक्षा बल के सब जवानों से लेकर उनके महानिदेशक को बधाई देते है और हम सब लोग ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब देश विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, एक नई जिम्मेदारी के एहसास के साथ में आगे बढ़े, ऐसी कामना है।

निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से एक मजदूर की मौत

जयपुर। राजस्थान में कोटा जिले के रामगंज मंडी क्षेत्र में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (कोटा ग्रामीण) सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा शनिवार रात ढह गया जिसके मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि सुरंग के ढहने से तीन मजदूर मलबे में फंस गए और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि शमशेर सिंह (33) को मृत घोषित कर दिया गया और दो घायल मजदूरों का अस्पताल में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रामगंज मंडी के मोड़क इलाके में हुआ। घटना के बाद पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

हम विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़े हैं : सत्यार्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा है कि हम विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं, दुनियां के सामने जितने गंभीर संकट इस समय हैं इतने इससे पहले कभी नहीं आए। सत्यार्थी राजस्थान में अजमेर के राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभागार में पत्रकारों की संस्था अजयमेरू प्रेस क्लब की स्थापना के 25 वर्ष में प्रवेश के मौके पर 'वैश्विक चुनौतियां और मीडिया की भूमिका' विषय पर शनिवार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है समझ लीजिए वह मीडिया का प्रतिनिधित्व कर रहा है। विश्व के जिन देशों में लोकतंत्र है वहां 70 प्रतिशत चुनाव पर सोशल मीडिया के 'फेक कंटेंट' ने चुनाव पर असर डाला है। एआई के दौर में परंपरागत मीडिया के सामने भी चुनौतियां हैं। वैश्विक स्तर पर यह समस्या ज्यादा बढ़ गई है।

सत्यार्थी ने कहा कि दुनियां में 56 देशों में युद्ध चल रहा है। कटु सत्य है कि अब तक किसी भी बच्चे ने युद्ध नहीं लड़ा, लेकिन युद्ध में सबसे ज्यादा बुरा असर बच्चों पर ही पड़ता है। महिलाएं भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बनती हैं। उन्होंने इजरायल, फिलिस्तीन युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है की युद्ध में इससे बड़ी त्रासदी क्या हो सकती है कि गर्भस्थ बच्चे भी मारे गए। मीडिया ने पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से इस संकट को उठाया है। विश्व में श्वेत, अश्वेत, धर्म, सांप्रदायिकता व जातिवाद ने गंभीर संकट पैदा कर रखा है।

सत्यार्थी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम समस्याओं का रोना रोने की बजाय समाधान पर बात करें।भारत में वैदिक ऋषियों ने कई समाधान दिए हैं। सर्वे संतु सुखिन सर्वे संतु निरामया और वसुधैव कुटुंबकम का भाव भारत ने ही सिखाया, लेकिन हम विद्वानों के बताए मार्ग पर नहीं चल रहे हैं। परिस्थितियां अत्यंत विषम होने के कारण मीडिया की जिम्मेदारियां ज्यादा बढ़ गई हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा की देश आजाद हुआ उस समय भी कई विचारधाराएं थीं। कम्युनिस्ट, समाजवादी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ जो बाद में भाजपा बना। पिछले कुछ समय से ऐसा लगने लगा है की अब विचारधारा की बजाय व्यक्ति प्रमुख हो गए हैं। भारत भ्रष्टाचार और भय मुक्त होना चाहिए। लोगों की सहनशीलता भी कम होती जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि किसी जमाने में गांव के सरपंच का गांव में बहुत सम्मान होता था। हालात उलट हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश के समग्र विकास और जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के 70 वें जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को जोधपुर में महाराज राजाराम शिक्षण संस्थान के प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर एवं जनसभा केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य एवं महंत रामप्रसाद जी एवं संत दयाराम जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हुई।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस के शुभेच्छाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार देश एवं प्रदेश के सतत एवं समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से प्रदेश में निवेश आयेगा जो राजस्थान के तीव्र आर्थिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मंत्रिमंडल की बैठक में जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए। माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए एक साथ 9 नीतियों को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने कहा भरतपुर और बीकानेर में विकास प्राधिकरणों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। जिससे इन शहरों का सुव्यवस्थित और नियोजित ढंग से विकास सुनिश्चित होगा।

पटेल ने कहा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत नई एम-सेण्ड नीति से प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना होगी, जिससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग से अवैध बजरी खनन पर रोक लगेगी।उन्होंने कहा भारत-पाक सीमा के विशेष सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सीमा पर लेटरल सड़क के निर्माण के लिए राजकीय भूमि आवंटन करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने युवाओं के रोजगार के लिए रोडमैप तैयार किया है। इस वर्ष एक लाख और 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में 10 लाख युवाओं को निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

पटेल ने कहा रक्तदान महादान है और रक्तदान करने वाला व्यक्ति महादानी है। उन्होंने कहा रक्तदान शिविर के माध्यम से युवाओं ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया है कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा रक्तदान न केवल नया जीवन देता है बल्कि सामाजिक संबंधों में मधुरता आती है। उन्होंने कहा आपका रक्त किसी की शिराओं में जिंदगी बनकर दौड़ेगा और हम सभी को अधिकाधिक रक्तदान कर लाखों लोगों के जीवन को बचा सकते है। इस दौरान जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली,पचपदरा विधायक अरुण चौधरी,धोद विधायक गोरधन वर्मा,राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई,पूर्व राज्यसभा सांसद रामनारायण डूडी,पूर्व विधायक पुखराज गर्ग,पूर्व महापौर घनश्याम ओझा,जगराम विश्नोई,राजाराम शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष जोगाराम पटेल,जगदीश देवासी, वीरेन्द्रप्रताप सिंह,मानाराम, प्रोफेसर केआर पटेल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अजमेर दरगाह में मंदिर विवाद 'चाय के प्याले में तूफान जैसा' : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने अजमेर दरगाह में मंदिर विवाद पर कहा है कि 'ये चाय के प्याले में तूफान जैसा है।' अभी न्यायालय ने वाद स्वीकार कर केवल नोटिस जारी किये हैं। अजमेर में एक सामाजिक कार्यक्रम में शिरकत करने आये राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने आज यहां सर्किट हाऊस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मामला न्यायालय में 'एडमिशन स्टेज' पर है। हर व्यक्ति को न्यायालय में बात रखने का अधिकार है लेकिन अभी न्यायालय ने कोई आदेश नहीं दिया हैय। हम सबका देश की न्याय व्यवस्था पर विश्वास है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध करने का काम है , जबकि उपचुनाव में जनता आईना दिखा चुकी है। राठौड़ ने पहली वर्षगांठ की ओर बढ़ रही राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार के नीतिगत निर्णय जनता के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अल्प समय में ही ऐतिहासिक कार्य किये है। उन्होंने गैर कानूनी तरीके से धर्मपरिवर्तन पर अध्यादेश लाने, कानून बनाने तथा दोषियों को 10 साल की सजा के प्रावधान को कपटपूर्ण तरीकों से धर्मपरिवर्तन के कामों पर शिकंजा लग सकेगा।

उन्होंने कहा कि 38 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था को आने निवेश के माध्यम से मजबूती मिलेगी। यह कोई साधारण काम नहीं है। उन्होंने कहा कि 11 माह के कालखंड में ही जनमानस पर खड़ा उतर रही भाजपा की भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार लम्बे अंतराल के बाद शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लघु एवं मध्य उद्योग के लिए 50 फीसदी तक का सहयोग का प्रस्ताव उल्लेखनीय है। सरकार की एक जिला-एक उत्पाद नीति भी क्षेत्रीय विकास में उल्लेखनीय है।

राठौड़ ने 'वन स्टे-वन इलैक्शन' के माध्यम से चुनाव की बात कही और कहा कि सरकार एक साथ चुनाव कराये जाने की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पहले पंचायत चुनाव 13 माह तक चलने का अनुभव किसी के लिए ठीक नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी भी एक साथ चुनाव कराने के पक्षधर है। राज्य में सरकार के एक साल पूरा होने पर मंत्रीमंडल विस्तार के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। उन्होंने स्वयं का पार्टी का साधारण कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि वे मंत्री भी रह चुके। वह अपनी ओर से किसी पद के दावेदार नहीं है। पार्टी का जो आदेश मिलेगा, मान्य होग

चुनौतियों एवं हमलों ने अदाणी समूह को बनाया मजबूत : गौतम अदाणी

जयपुर/दक्षिण भारत। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा है कि अदाणी समूह को मिली चुनौतियों और इस पर हुए हमलों ने उन्हें और मजबूत बनाया हैं।

अदाणी शनिवार रात जयपुर 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवार्ड्स समारोह में बोल रहे थे। अमरीका में उन पर लगे आरोपों पर पहली बार बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसी चुनौतियो का सामना करना पड़ा है, जब जब चुनौतियां आई और हमले हुए उन्हें और मजबूत बनाता और यह बाधा अदाणी समूह के लिए सीढी बन जाती है। उन्होंने कहा कि अमरीकी डिपार्टमेंट आफ जस्टिस अभियोग मामले में तथ्य यह है कि बहुत सारी एकतरफा रिपोर्टिंग के बावजूद अदाणी पक्ष के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए के उल्लंघन या न्याय में बाधा डालने की किसी साजिश का आरोप नहीं लगाया गया हैं फिर भी आज की दुनिया में नकारात्मकता तेजी से फैलती है ।

अदाणी ने कहा इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं वे आगे होने की कीमत है, आपके सपने जितने साहसी होंगे दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी लेकिन आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिसमें आपकी कोई मदद नहीं करेगा।

गृह रक्षा संगठन का 62वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया

जयपुर। गृह रक्षा संगठन ने रविवार को अपने 62वें स्थापना दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसका उद्घाटन एक रोमांचक वॉलीबॉल प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने भाग लिया और उत्साह के साथ एक-दूसरे को टक्कर दी। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों के बीच टीम भावना को बढ़ावा देना था बल्कि एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को भी प्रोत्साहित करना था।

भजनलाल कैबिनेट का ऐतिहासिक निर्णय है धर्मांतरण बिल : जवाहर सिंह बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान कैबिनेट में धर्मांतरण रोकने के लिए बिल को मंजूरी मिल गई है। इस विषय पर प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की। जवाहर सिंह बेढम ने कहा, धर्मांतरण पर कानून बनाने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्णय का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। इसकी आवश्यकता थी, क्योंकि बहला-फुसला कर, प्रलोभन देकर या जबरदस्ती धर्मांतरण की शिकायत जगह-जगह से आ रही थी। भाजपा नेता ने कहा कि किसी की आस्था और संस्कृति बचाने के लिए इसकी आवश्यकता थी। ऐसे में कल भजनलाल शर्मा की कैबिनेट ने जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, वो स्वागत योग्य है। यह बिल भजनलाल शर्मा के स्वयं के विवेक, सोच और राज्य के हित में लिए गए फैसले का आधार है।

बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन बिल 2024' को मंजूरी दी गई। कानून मंत्री जोगाराम पटेल इस बिल को राजस्थान के आगामी विधानसभा सत्र में पेश करेंगे। उन्होंने इस संबंध में पत्रकार वार्ता कर कहा, जिस तरह प्रदेश में धर्मांतरण के मामले प्रकाश में आए हैं, उसके मद्देनजर यह बिल विधानसभा में पेश किए जाने का फैसला किया गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में 2021, मध्य प्रदेश में 2021, उत्तराखंड में 2018, गुजरात में 2021, हिमाचल प्रदेश में 2019, झारखंड में 2017 में, कर्नाटक में 2022, ओडिशा में 1967 में धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाया जा चुके हैं। इसके अलावा, कई अन्य प्रदेशों में भी धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाए गए हैं। इसे देखते अब हमने भी यह कदम उठाने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 2008 में वसुंधरा सरकार में धर्मांतरण बिल लाया गया था। 16 साल से यह बिल केंद्र के पास अटका हुआ था। जिसे अब तक राष्ट्रपति ने मंजूरी नहीं दी थी। लेकिन, अब वसुंधरा सरकार में पारित हुआ धर्मांतरण बिल भी भजनलाल सरकार वापस लेगी और धर्मांतरण पर नया बिल पेश करेगी।

विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शिकारपुरा आश्रम में राजाराम महाराज के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को रातानाडा गणेश मंदिर पहुँच कर दर्शन किए। उन्होंने भगवान गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। साथ ही उन्होंने प्रदेश में आर्थिक उन्नति को समर्पित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के सफल आयोजन की कामना की। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा आश्रम में राजाराम महाराज के दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर राजाराम महाराज आश्रम के संत दयाराम महाराज ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस पर आशीर्वाद देकर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान शिकारपुरा सरपंच ओमाराम पटेल, आश्रम के ट्रस्टी हेमाराम जरमल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

11 बाल श्रमिकों को करवाया मुक्त, बाल कल्याण इकाई को किया सुपुर्द

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला बालश्रम टास्क फोर्स ने रविवार को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टास्क फोर्स ने ऑटोमोबाइल रिपेयर की 7 दुकानों पर छापा मार कर वहां काम कर रहे 11 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया। मुक्त करवाए गए सभी बाल श्रमिकों की आयु 11 से 15 वर्ष के बीच है। वरिष्ठ श्रम निरीक्षक श्रीमती अंकिता महर्षि ने बताया कि मुक्त करवाये गए बाल श्रमिकों को परामर्श एवं अस्थाई संरक्षण के लिए गांधी नगर स्थित बाल कल्याण समिति की टीम को सुपुर्द किया गया है।

पश्चिम बंगाल ने अन्य राज्यों को आलू नहीं बेचने दिया तो कल से हड़ताल : आलू व्यापारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार दूसरे राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध नहीं हटाती है तो वे मंगलवार को हड़ताल पर चले जाएंगे। पश्चिम बंगाल ने हाल ही में स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में पड़ोसी राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध फिर से लगा दिया है। स्थानीय बाजारों में आलू 35-40 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। राज्य सरकार के फैसले के बाद, पुलिस ने राज्य से आलू के परिवहन को रोकने के लिए अंतर-राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। इसके कारण कई ट्रक सीमा पार से फंसे हुए हैं।

प्रगतिशील आलू व्यापारी संघ के सचिव लालू मुखर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगर सरकार प्रतिबंध नहीं हटाती है तो हम मंगलवार से हड़ताल पर चले जाएंगे। उन्होंने सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, ऐसे अचानक उठाए गए कदमों से हमारा कारोबार बाधित होता है और भारी नुकसान होता है, क्योंकि हम अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करने में विफल रहते हैं। व्यापारियों और कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशनों ने स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया और इसके लिए बिचौलियों की मुनाफाखोरी को जिम्मेदार ठहराया।

सोरेन ने आलू से लदे वाहनों को पश्चिम बंगाल की सीमा पर रोकने का संज्ञान लिया

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की पश्चिम बंगाल से लगी सीमा पर आलू से लदे वाहनों को ''रोके जाने'' का रविवार को संज्ञान लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वाहनों को रोके जाने से राज्य में आलू की आपूर्ति प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव अलका तिवारी को तत्काल प्रभाव से मामले से निपटने का निर्देश दिया। पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों के एक संगठन के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार ने आलू का भंडार बनाए रखने और राज्य में आलू की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए बृहस्पतिवार से आलू की अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कथित रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर तिवारी ने मामले के निपटारे के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर बात की। बयान में कहा गया, पंत ने आश्वासन दिया है कि आलू आपूर्ति के मुद्दे को सुलझाने के लिए जल्द ही एक समिति गठित की जाएगी। एक अधिकारी के अनुसार, पड़ोसी राज्य प. बंगाल द्वारा आलू की आपूर्ति सीमित कर दिए जाने के कारण झारखंड के खुदरा बाजार में दो दिनों में आलू की कीमत में पांच रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

हॉकी इंडिया ने एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। हॉकी इंडिया ने सात से 15 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी महिला जूनियर एशिया कप के लिए रविवार को यहां ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। पिछले साल दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर अपना पहला खिताब हासिल करने के बाद गत चैंपियन भारत बढ़ी हुई उम्मीदों के साथ इस टूर्नामेंट में भाग लेगा। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफायर का काम करेगा। इस विश्व कप के लिए हालांकि मेजबान देश का चयन होना बाकी है।

जूनियर महिला एशिया कप में 10 टीमें को दो पूल में विभाजित किया गया है। भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग चीन और श्रीलंका शामिल हैं। साक्षी राणा को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। निधि और अदिति माहेश्वरी के रूप में टीम में दो गोलकीपर है जबकि रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी मनीषा, ज्योति सिंह, लालथंतलुंगी, पूजा साहू और ममता ओरम संभालेंगी। मिडफील्ड में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीलिता टोप्पो, इशिका, रजनी केरकेट्टा, साक्षी राणा और खैदेम शिलेमा चानू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं। अग्रिम पंक्ति में शामिल दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, कनिका सिवाच, मुमताज खान और लालरिनपुई पर टीम के लिए गोल करने की जिम्मेदारी होगी। बिनिमा धन और हिमांशी शरद गवांडे को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

संभल हिंसा: न्यायिक आयोग के सदस्यों ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के दो सदस्यों ने रविवार को मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद के पास कोट गर्वी इलाके में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद इस दौरान मौजूद नहीं थे। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बाद में बताया, आज (रविवार को) जांच आयोग के अध्यक्ष और एक अन्य सदस्य ने घटनास्थल का दौरा किया। उनका मुख्य उद्देश्य स्थल का निरीक्षण करना था। अधिकारी ने बताया, उन्होंने उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां गड़बड़ी हुई थी। टीम ने घटनास्थल एवं मस्जिद की जांच की और वहां मौजूद कुछ लोगों से बात की। टीम फिर से दौरा करेगी और दौरे का पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। वे निश्चित रूप से दोबारा आएंगे। उन्होंने बताया, संभल में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है। फिलहाल, जिलाधिकारी के आदेश 10 दिसंबर तक प्रभावी हैं और उसके बाद किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। हम साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया में हैं और अब तक इसमें शामिल 400 व्यक्तियों की पहचान कर चुके हैं। सिंह उस आदेश का हवाला दे रहे थे, जिसके तहत कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हिंसा प्रभावित संभल शहर में नेताओं, सामाजिक संगठनों या जनप्रतिनिधियों सहित बाहरी लोगों के सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना प्रवेश पर 10 दिसंबर तक रोक लगाई गई है। इस बीच, शाही जामा मस्जिद के इमाम आफताब हुसैन वारसी ने कहा, टीम करीब 15 मिनट तक रुकी और मस्जिद का निरीक्षण किया। मस्जिद प्रबंध समिति के सचिव मसूद फारूकी ने कहा, टीम ने हमसे कुछ नहीं पूछा। वे केवल जामा मस्जिद देखने आए थे और उसने घटनास्थल का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि वे बाद में बयान लेंगे।

दहेज प्रथा पर प्रहार व सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह कार्यक्रम : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार भी है।

योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। योगी ने कहा, साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज लेने और देने को न कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात वर्ष में तीन लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। योगी ने संभावना जताते हुए कहा कि यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या चार लाख से अधिक हो चुकी होगी।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का विपक्ष पर तंज, 'देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए रविवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का 'विपक्ष का दर्जा' अब तक नहीं बदला।

नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे भी ऐसे ही रहोगे।

नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है।

भाजपा में मुझे दरकिनार किया जा रहा: ओडिशा के पूर्व मंत्री जयनारायण मिश्रा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जयनारायण मिश्रा ने आरोप लगाया है कि उन्हें पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है और उन्हें लगता है कि संगठन में उनका कोई महत्व नहीं है। मिश्रा ने भाजपा के वरिष्ठ नेता समीर डे के निधन पर शोक जताने के लिए शनिवार शाम हुई एक सभा के दौरान आरोप लगाया कि पार्टी उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि डे को उनके जीवनकाल में पार्टी में उचित महत्व नहीं दिया गया और वह भी इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

मिश्रा ने कहा, मेरे साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अतीत में भी एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) से बाहर निकाला जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के लिए अब उनका कोई महत्व नहीं रह गया है। संबलपुर से विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के नेता उन्हें परेशानी में डालने के लिए गुंर्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ एक पुख्ता योजना बनाई गई है। भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने मिश्रा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी में किसी को दरकिनार नहीं किया जाता। सामल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी में सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को समान महत्व मिलता है।

इस्कॉन ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इस्कॉन ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए रविवार को दुनिया भर के अपने विभिन्न केंद्रों में प्रार्थना सभाएं और कीर्तन आयोजित किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार ऐसी घटनाओं के 100 दिन बाद भी नहीं रुक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के अनुयायियों ने दुनिया भर के 150 देशों में प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं। दास ने कहा, हमने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना और कीर्तन का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि इस्कॉन के अनुयायियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए कोलकाता के अल्बर्ट रोड केंद्र में प्रार्थना और कीर्तन का आयोजन किया। प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यक संयुक्त राष्ट्र जैसे विश्व निकायों से सहायता और समर्थन मांग रहे हैं।

नगालैंड का शासन 'विकास के लिए शांति और शांति के लिए विकास' पर आधारित है : रियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने रविवार को कहा कि नगालैंड का शासन ''विकास के लिए शांति और शांति के लिए विकास'' पर आधारित है। उन्होंने एकता, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य के युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

राज्य के 62वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए रियो ने तत्कालीन राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन के कथनों को याद किया जिन्होंने नफरत और हिंसा का मुकाबला करने के लिए ''समझ और मित्रता'' पर आधारित समाज के निर्माण की बात कही थी। रियो ने कहा, ये कथन आज भी बहुद प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने नगालैंड के नागरिकों से समृद्ध भविष्य के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रियो ने कहा, इस स्थापना दिवस पर मैं प्रत्येक नागरिक से लोगों के चेहरे पर मुस्कान और हमारे जीवन में खुशियां लाने के लिए मिलकर काम करने की अपील करता हूं। उन्होंने राज्य के विकास और समृद्धि के साझा सपने को साकार करने में सभी से योगदान देने का आग्रह किया। रियो ने कहा कि राज्य के सामने कई चुनौतियां हैं जिनमें विशेष रूप से नगा राजनीतिक मुद्दों से संबंधित चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने राज्य के भविष्य के विकास के लिए शांति, विकास और समावेशिता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि हॉर्नबिल महोत्सव समारोह में पिछले कुछ वर्षों में आगंतुकों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि 2023 में इस महोत्सव में 1.5 लाख से अधिक पर्यटक शामिल हुए, जिनमें से लगभग 40,000 पर्यटक राज्य के बाहर के थे। नगालैंड के युवाओं के लिए शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना के तहत, शिक्षा मंत्रालय ने दीमापुर और मोकोकचुंग में शैक्षणिक भवनों और कौशल केंद्रों के निर्माण के लिए 25 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

उत्तर प्रदेश: भारी मात्रा में नकली डीएपी बरामद, पांच लोग गिरफ्तार

जालौन/भाषा। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में पुलिस एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक साझा अभियान के तहत नकली डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) बोरियों में भरकर किसानों को बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में नकली डीएपी बरामद किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जालौन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि जिला कृषि अधिकारी गौरव यादव के नेतृत्व में कृषि विभाग के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के एक संयुक्त कार्य बल ने जिले में नकली डीएपी के प्रचलन को रोकने के लिए कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार से बड़े पैमाने पर नकली डीएपी निर्माण इकाई के संचालन के बारे में मिली सूचना के आधार पर की गई। नदी गांव कोतवाली और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के अधिकारियों वाली टीम ने शनिवार को छापेमारी की, जो रविवार तक जारी रही।

बांग्लादेश में भारतीय बस पर हमला किया गया: त्रिपुरा के परिवहन मंत्री का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हुई।

चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर बस की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, त्रिपुरा से कोलकाता जा रही 'श्यामोली परिवहन' बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान एक ऑटोरिक्शा बस के सामने आ गया और बस एवं ऑटोरिक्शा की टक्कर हो गई। उन्होंने कहा, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस में सवार भारतीय यात्रियों को धमकाना शुरू कर दिया। उन्होंने भारत विरोधी नारे भी लगाए और भारतीय यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं तथा पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं।

सिंधू और लक्ष्य को एकल खिताब, त्रीसा-गायत्री की जोड़ी के नाम रहा महिला युगल खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। शीर्ष वरीय पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए क्रमश: महिला और पुरुष एकल खिताब अपनी झोली में डाले। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू (18वीं रैंकिंग) ने चीन की वू लुओ यू (119वीं रैंकिंग) को 21-14 21-16 से मात देकर तीसरी दफा इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया और लंबे समय से चले आ रहा खिताब का सूखा समाप्त किया। वह इससे पहले 2017 और 2022 में भी ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

पुरुष एकल फाइनल में 2021 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए खिताबी भिड़ंत में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 21-6, 21-7 से मात दी। पूर्व विश्व चैम्पियन 29 वर्ष की सिंधू ने दो साल बाद पोडियम पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने आखिरी खिताब जुलाई 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। इस साल वह मई में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में भी पहुंची। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के प्लेऑफ में मिली निराशाजनक हार के बाद लक्ष्य की जीत राहत देने वाली है। इस जीत से निश्चित रूप से नए सत्र से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। भारतीय बैडमिंटन को दिन में जश्न मनाने का एक और मौका मिला जब त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी।

भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई। सिंधू पहले गेम में 8-5 से आगे थीं और वू की चुनौती के बावजूद 11-9 से दो अंकों की बढ़त हासिल करने में सफल रहीं। ब्रेक के बाद सिंधू ने 15-10 से बढ़त हासिल की। फिर रैलियों पर पकड़ बनाए रखी और आराम से पहला गेम जीत लिया। सिंधू दूसरे गेम में भी तेज शुरुआत करते हुए 3-0 से आगे हो ली, लेकिन वू ने जल्द ही स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया। चीन की बाएं हाथ की खिलाड़ी ने सटीक ड्रॉप शॉट से सिंधू को परेशान किया और ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद सिंधू ने वू को गलतियां करने पर मजबूर किया और एक तेज स्ट्रेट स्मैश और 'बॉडीलाइन स्मैश' की बदौलत 15-11 की बढ़त हासिल कर ली। फिर एक ताकतवर स्मैश से खिताब कब्जाने में सफल रहीं। लक्ष्य (23 वर्ष) पहले गेम में 8-0 से आगे थे। उनके तेज तर्रार खेल से तेह को संघर्ष करना पड़ा और सिंगापुर के खिलाड़ी ने कई सहज गलतियां कीं। तेह को दो आक्रामक रिटर्न से कुछ अंक हासिल करने में मदद की।

निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी: पीवी सिंधू

लखनऊ/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को कहा कि वह 'निश्चित रूप से' अगले कुछ वर्षों तक खेलती रहेंगी और उनके दिमाग में 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक बना रहेगा।

सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म करने के बाद राहत व्यक्त की और उम्मीद जताई कि यह परिणाम उनके शानदार करियर में एक और सफल दौर की शुरुआत करेगा। इस 29 साल पूर्व विश्व चैंपियन ने अपने करियर के अंतिम चरण में चोट से मुक्त रहने की जरूरत पर जोर दिया। सिंधू ने संवाददाताओं से कहा, इस जीत से निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा। 29 वर्ष का होना कई मायनों में फायदेमंद है क्योंकि मेरे पास बहुत अनुभव है। स्मार्ट और अनुभवी होना महत्वपूर्ण है और मैं निश्चित रूप से अगले कुछ वर्षों तक खेलूंगी। उन्होंने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य चोट से मुक्त रहना है जो बहुत महत्वपूर्ण है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक अब भी बहुत दूर हैं। मैं निश्चित रूप से खेलूंगी, लेकिन अहम चीज चोट से मुक्त रहना और खेल का आनंद लेना है। अगर मैं फिट रहती हूं तो क्यों नहीं?'' सिंधू ने फाइनल में चीन की विश्व नंबर 119 वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरी बार महिला एकल का खिताब जीता।

सुविचार

वक्त और किस्मत पर कभी घमंड ना करो, सुबह उनकी भी होती है जिनको कोई याद तक नहीं करता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रजनन दर और देश का भविष्य

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में देश की आबादी के बारे में जो टिप्पणी की, उससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि यह एक बहुत महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। अगर प्रजनन दर 2.1 हो तो उसे आदर्श माना जा सकता है। समस्या तब पैदा होती है, जब यह इससे बहुत नीचे चली जाए। आज जापान, द. कोरिया, चीन, इटली, ग्रीस जैसे कई देशों में प्रजनन दर बहुत कम हो गई है। इसके प्रभाव नजर आने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ दशक बाद यहां की आबादी में नौजवानों की हिस्सेदारी बहुत कम रह जाएगी, हर जगह बुजुर्ग ही नजर आएंगे। तब सवाल उठेंगे- कारखानों में काम कौन करेगा, खेती-बाड़ी में पसीना कौन बहाएगा, सरहद की रखवाली कौन करेगा और युद्ध की स्थिति में दुश्मन से कौन लड़ेगा? भारत में एक तरफ तो बहुत ज्यादा आबादी के कारण होने वाली समस्याओं की चर्चा की जाती है, दूसरी तरफ कुछ राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में कम प्रजनन दर का मुद्दा उठाया जाता है! इनमें से कौनसी बात सही है? वास्तव में दोनों ही बातें अपनी जगह सही हैं। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि भारत की कुल आबादी 140 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है, वहीं कुछ राज्यों में प्रजनन दर 2.1 से भी काफी कम हो चुकी है। यह तस्वीर असंतुलन की स्थिति को दर्शाती है, जिससे दो-तीन दशकों में कई समस्याएं पैदा होने की आशंका है। इसके साथ पलायन एक बड़ी समस्या है। आज उत्तराखंड के कई गांव ऐसे हैं, जहां गिनती के लोग बचे हैं। उनमें भी ज्यादातर बुजुर्ग हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति राजस्थान के कई गांवों में पैदा हो सकती है, जहां नौजवान तो पढ़ाई और नौकरी के लिए शहरों का रुख कर रहे हैं, जबकि खेत-खलिहान सूने पड़े हैं।

प्रजनन दर में भारी गिरावट की एक बड़ी वजह शहरीकरण है। जापान के नागोरो नामक गांव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। इसे बुजुर्गों का गांव कहा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यहां प्रजनन दर में बहुत भारी गिरावट आ गई है। चूंकि नौजवानों को अपना भविष्य टोक्यो जैसे बड़े शहरों में दिखता है, लिहाजा वे एक-एक कर गांव छोड़कर चले गए। पीछे सिर्फ बुजुर्ग रह गए। निस्संदेह जापान के शहरों में रोजगार के बहुत अवसर हैं, लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं। वहां काम के भारी दबाव के कारण जापानी युवा शादी और परिवार बढ़ाने से मुंह मोड़ने लगे हैं। चीन, रूस, जापान, द. कोरिया जैसे कई देशों में सरकारें कोशिश कर रही हैं कि युवा शादी करें और भावी पीढ़ी को इस दुनिया में लाएं। इसके लिए स्थानीय प्रशासन वित्तीय सहायता समेत कई सुविधाएं दे रहा है। इसके बावजूद वहां प्रजनन दर में खास बढ़ोतरी देखने को नहीं मिल रही है। इसी साल अक्टूबर में एक रिपोर्ट ने सबका ध्यान आकर्षित किया था, जिसमें बताया गया था कि चीन में प्रजनन दर में भारी गिरावट के कारण सैकड़ों स्कूलों पर ताले लग गए हैं। पढ़ने के लिए बच्चे ही नहीं होंगे तो स्कूलों में कौन जाएगा? अगर भारत में प्रजनन दर से संबंधित आंकड़े पर गौर करें तो पता चलता है कि आजादी से लेकर अब तक इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है। कई राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में यह 2.1 से कम हो गया है। हालांकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में यह कुछ ज्यादा है। हमें अन्य देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रजनन दर 2.1 से काफी नीचे जाने पर (पैदा होने वाली) समस्याओं की दस्तक उस समय सुनाई नहीं देती। लगभग दो दशक बाद उनका असर दिखाई देने लगता है। उसके बाद वे धीरे-धीरे बढ़ने लगती हैं। हालांकि इन समस्याओं को टाला जा सकता है। इसके लिए सरकारों को ये उपाय करने होंगे- सरकारी स्कूलों की हालत सुधारें, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाएं, पलायन को रोकें, गांवों में रोजगार के अवसरों का सृजन करें, 'सिर्फ सरकारी नौकरी करूंगा/गी' - की धारणा को बदलें, स्वरोजगार को बढ़ावा दें, बेहद खर्चीली शादियों का महिमा-मंडन बंद करें, समाज में सद्भाव पर जोर दें। 'सादगी में भी संपन्नता' - के आदर्श का प्रसार करें।

ट्वीटर टॉक

चेन्नई स्थित वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, तथा छात्रों को उपाधि प्रदान कर शुभकामनाएं दीं।छात्रों की शिक्षण यात्रा का एक अहम पड़ाव ज़रूर है।

-ओम बिरला

'नए भारत' के शिल्पी, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बाबा सांगा की पावन धरा सांगानेर के दादिया में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा के संदर्भ में आज सभा स्थल का निरीक्षण किया।

-भजनलाल शर्मा

जोधपुर में शोकाकुल परिवारजनों के बीच पहुँचकर उन्हें अपने हृदय की संवेदनाएँ प्रदान कीं। शोक सभाओं में दिवंगतों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। हमारा जोधपुर लोकसभा क्षेत्र पूरा एक परिवार है, जहां सुख-दुख बराबरी से साझा होता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मन की लगाम

स्वामी अनंतदेव अपने घोड़े पर सवार होकर एक गांव की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में एक राहगीर मिला। उसने संत से कहा कि मुझे अमुक गांव जाना है, थोड़ा साथ दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी। संत अनंतदेव ने उसकी बात को स्वीकारा और अपने घोड़े पर बिठा लिया। बीच में राहगीर बोला, 'महाराज! आपके न बाल-बच्चे, न धंधा-न व्यापार, आप तो संत हैं, आप इस घोड़े का क्या करेंगे? हम गृहस्थ हैं। घोड़े का अधिक उपयोग तो हमारे लिए है। इसलिए कृपया ये घोड़ा मुझे दे दो तो आपकी बड़ी कृपा होगी।' संत अनंतदेव ने बोला, 'ठीक है, मैं तुम्हें घोड़ा दे दूंगा, लेकिन मेरी एक शर्त है कि आपका गांव तीन मील दूर है। जब तक गांव नहीं आता तुम्हें पूरे रास्ते केवल राम नाम जपना होगा और अगर एक बार भी 'राम, राम, राम' छूटा तो मैं घोड़ा नहीं दूंगा। यह सुनकर राहगीर ने सोचा कि साधु को अच्छा पटा लिया। घोड़ा अपनी गति से चल रहा था और राहगीर का मन उससे तेज गति से चल रहा था। उसने सोचा संत ने कहा है कि घोड़ा दूंगा, लेकिन लगाम की तो बात हुई नहीं। मुंह से 'राम-राम' बोल रहा है और मन में लगाम देंगे कि नहीं? कुछ समय बाद आखिर उसने पूछ ही लिया कि महाराज आप घोड़ा तो दोगे, लगाम दोगे कि नहीं?

सामयिक

एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

फोन: 9416740584.

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'टेक द राइट पाथ' (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है।

फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है।

एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

नजरिया

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक ष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ो। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ो। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पिता बनने तक चार समस्याओं का सामना करते हैं पुरुष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूकासल। एक पुरुष के पिता बनने से पहले उसके जीवन में कई तरह के बदलाव होते हैं। कई पुरुषों के लिए पिता बनना तनावपूर्ण हो सकता है, तो कुछ इस बदलाव के कारण खुद को अलग–थलग पाते हैं। फिर भी, पिताओं को अक्सर इस बदलाव का सामना करने में सहायता के लिए समर्थन एवं जानकारी तक पहुंच का अभाव रहता है।

सही जानकारी होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसके बिना पिता बनने वाले पुरुषों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है, जिनमें बच्चे के जन्म के बाद होने वाला अवसाद शामिल है और यह समस्या ब्रिटेन के दस में से एक पिता को प्रभावित करती है। पिता बनने तक पुरुषों द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमने उन पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर उपलब्ध साक्ष्य की वैश्विक समीक्षा की। हमने अपनी समीक्षा में 37 अलग–अलग अध्ययनों को शामिल किया।

इन अध्ययनों में कई अलग–अलग तरीकों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें गहन साक्षात्कार, फोन पर चर्चा और ऑनलाइन सर्वेक्षण शामिल हैं।

कुछ पुरुषों को पिता बनने के बाद जीवन में होने वाले परिवर्तन के दौरान सकारात्मक पहलुओं का अनुभव हुआ और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ा जबकि दूसरों के लिए यह बदलाव अधिक चुनौतीपूर्ण लगा।

इन निष्कर्षों के आधार पर हमने चार ऐसी दिक्कतों को ढूंढ निकाला, जिन्हें पुरुषों ने पिता बनने पर अनुभव किया। पिता बनने तक पुरुषों द्वारा अनुभव की जाने वाली आम चुनौतियों को समझकर भविष्य में उन्हें सही सहायता और जानकारी प्रदान करना आसान हो सकता है।

साथी के साथ रिश्ते में बदलाव

कई पुरुषों को पिता बनने के बाद अपने साथी के साथ मधुर रिश्ते में आए बदलाव और कभी–कभी उसके खत्म होने जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता है। पिता बनने के साथ नई जिम्मेदारियों के कारण पुरुषों के पास आराम और दूसरी चीजों के लिए बहुत कम समय बचता है। पुरुषों के जीवन में होने वाले इस परिवर्तन के चलते कुछ दंपतियों के बीच दरार आयी, जिस वजह से पुरुषों की भावनात्मक स्थिति ख़राब हुई।

पिता बनने के बाद कुछ पुरुषों ने यह भी बताया कि उन्हें मां और शिशु के बीच के रिश्ते के कारण खुद को अलग–थलग महसूस करना पड़ा। अध्ययन में शामिल एक प्रतिभागी ने यहां तक कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा था कि 'मेरा बच्चा सिर्फ मेरी पत्नी का बच्चा है'। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि पिता बनने के बाद उसे ऐसा लगा कि उसकी अहमियत कम हो गई है।

पिता की भूमिका को लेकर असमंजस

पिता बनने के बाद कई पुरुषों में इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति थी कि आखिर उनसे क्या अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन में शामिल कई पुरुषों ने बताया कि वे पिता बनने के बाद इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि उन्हें घर के लिए कमाई करने वाले की भूमिका निभानी चाहिए या फिर बच्चे की देखभाल करने वाले पिता की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए। ज्यादातर पुरुषों ने सोचा कि दोनों भूमिकाएं महत्वपूर्ण हैं लेकिन अपने परिवार का आर्थिक रूप से समर्थन करने और अपने बच्चे व साथी के साथ समय बिताने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करना उन्हें बहुत 'तनावपूर्ण' लगा।

इस दौरान सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने भी भूमिका निभाई, जिसमें विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के कुछ पिताओं ने महसूस किया कि परिवार का आर्थिक रूप से समर्थन करना सबसे महत्वपूर्ण है और बच्चे की देखभाल करना मां की जिम्मेदारी है।

भुलाए जाने और कमतर आंके जाने का अहसास

पिता बनने वाले पुरुषों ने पत्नी के प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर परामर्श तथा चिकित्सकों से मुलाकात के दौरान खुद को अलग–थलग महसूस किया। एक पिता ने यहां तक बताया कि ''नर्स ने मेरे चारों ओर पर्दा डाल दिया था।

कुछ पुरुषों ने स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों से अपमानजनक व्यवहार और उपहास का भी अनुभव किया। एक पिता ने बताया कि वह जिन स्वास्थ्य पेशेवरों के संपर्क में थे वे उनके साथ ऐसा व्यवहार करते थे मानो जैसे आप एक जरिया मात्र हैं और वे हंसते थे और कहते थे देखो, पिताजी परेशान हो रहे हैं।

अकेले जूझना

हमारी समीक्षा में शामिल ज्यादातर अध्ययनों में पिता बनने वाले पुरुषों की शारीरिक और भावनात्मक रूप से जांच की गई, लेकिन कई पुरुषों ने इस बदलाव के दौरान किसी भी भावनात्मक संघर्ष को स्वीकार नहीं करना चाहा। उनका मानना था कि एक पिता के रूप में आपको कमजोर नहीं दिखना चाहिए।

उद्घाटन

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देहरादून में 50वें खलंगा मेले के उद्घाटन के दौरान।

शाहरुख खान ने 'जवान' देखने वाले जापान के प्रशंसकों का आभार जताया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता शाहरुख खान ने जापान में अपने प्रशंसकों का 'जवान' फिल्म देखने के लिए रविवार को आभार व्यक्त किया। एटली द्वारा निर्देशित यह थ्रिलर फिल्म सितंबर 2023 में रिलीज हुई थी और इसने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। शाहरुख के प्रशंसकों के एक पेज पर जापान के एक सिनेमा हॉल में प्रदर्शित इस फिल्म के पोस्टर का वीडियो साझा किया गया जिसके जवाब में अभिनेता ने कहा, जापान में 'जवान' को मिल रहे प्यार के बारे में पढ़ रहा हूं।

श्रीवल्ली के बिना पुष्पा फ्रेंचाइजी अधूरी : अल्लू अर्जुन

मुंबई/एजेन्सी

अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' की रिलीज का इंतजार कर रहे तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने फिल्म में अपनी सह–कलाकार रश्मिका मंदाना की जमकर तारीफ की। हाल ही में फिल्म की स्टार कास्ट को फिल्म की प्रमोशन के लिए मुंबई में एक प्रेस कार्यक्रम में देखा गया। जहां फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन फिल्म की अभिनेत्री रश्मिका की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने कहा कि श्रीवल्ली के किरदार के बिना 'पुष्पा' फ्रेंचाइजी एकदम अधूरी है। कार्यक्रम के दौरान अल्लू अर्जुन ने रश्मिका के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह एक खास तरह की शख्सियत है। वह अपने आस–पास मौजूद सभी लोगों का साथ देती है। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैं दो मिनट का समय निकालकर इस फिल्म के लिए उनके द्वारा किए गए हर काम के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उनका समर्थन बहुत बड़ा है। श्रीवल्ली के समर्थन के बिना यह फिल्म पूरी नहीं हो सकती। मैं और मेरे निर्देशक उनके बहुत प्रशंसक हैं, क्योंकि हम हर दिन शूटिंग करते रहते हैं और वह कभी–कभार आती हैं। जब वह आती हैं, तो वे दिन बहुत खास होता है। वह सेट पर बेहद ही सकारात्मक ऊर्जा लेकर आती हैं।

अल्लू अर्जुन द्वारा रश्मिका के योगदान को दिल से स्वीकार करना न केवल उनके सौहार्द को दर्शाता है, बल्कि एक उनके व्यक्तित्व को भी निखारता है। स्टार ने आगे कहा, वह ऐसी ही अभिनेत्रियों के साथ काम करना चाहते हैं। जो दुनिया में अपना नाम रोशन करना जानती हैं। दुनिया को ऐसी और लड़कियों की जरूरत है। एक ऐसे समय पर जब हम सब तुलना करते हैं और कहते हैं 'ओह, लड़कियां आज ऐसी हैं, आज वैसी हैं, वह ऐसी लड़की है, जहां आप कह सकते हैं कि ऐसी लड़कियां भी दुनिया को बेहतर बना सकती हैं।'' सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2: द रूल' में फहाद फासिल भी हैं। इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है और इसका संगीत टी सीरीज ने दिया है। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी।

अजमेर दरगाह सर्वेक्षण : पूर्व नौकरशाहों ने मोदी को लिखा पत्र, 'अवैध' गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एक स्थानीय अदालत की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देने के कुछ दिनों बाद पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उन सभी अवैध और हानिकारक गतिविधियों को रोकने लगाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है, जो भारत की सभ्यतागत विरासत पर वैचारिक हमला हैं और एक समावेशी देश के विचार को विकृत करती हैं। समूह ने दावा किया कि सिर्फ प्रधानमंत्री सभी अवैध, हानिकारक गतिविधियों को रोक सकते हैं। उसने मोदी को याद दिलाया कि उन्होंने खुद 12वीं शताब्दी के संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर शांति और सद्भाव के उनके संदेश को सम्मान देते हुए चादर भेजी थी।

समूह में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, सेना के पूर्व उप–प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीरा गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने 29 नवंबर को प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि कुछ अज्ञात समूह हिंदू हितों का प्रतिनिधित्व करने का दावा कर रहे हैं और यह साबित करने के लिए मध्ययुगीन मस्जिदों तथा

दरगाहों के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मांग कर रहे हैं कि इन स्थलों पर पहले मंदिर हुआ करते थे।

समूह ने कहा, पूजा स्थल अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद अदालतें भी ऐसी मांगों पर अनुचित तत्परता और जल्दबाजी के साथ प्रतिक्रिया देती नजर आती हैं।

दो हस्ताक्षरकर्ताओं ने पत्र के विषय–वस्तु की पुष्टि की। समूह ने कहा, उदाहरण के लिए, एक स्थानीय अदालत का सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की 12वीं सदी की दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देना अकल्पनीय लगता है, जो एशिया में न केवल मुसलमानों के लिए, बल्कि उन सभी भारतीयों के लिए सबसे पवित्र सूफी स्थलों में से एक है, जिन्हें हमारी समन्वयवादी और बहुलवादी परंपराओं पर गर्व है।

उसने कहा, यह विचार ही हास्यास्पद है कि एक भिक्षुक संत, एक फकीर, जो भारतीय उपमहाद्वीप के अद्वितीय सूफी/भक्ति आंदोलन का एक अभिन्न अंग था और करुणा, सहिष्णुता एवं सद्भाव का प्रतीक था, अपने अधिकार का दावा करने के लिए किसी भी मंदिर को नष्ट कर सकता था। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा यह दावा करने के बाद कि दरगाह मूल रूप से एक शिव मंदिर थी, अजमेर की एक सिविल अदालत ने 27 नवंबर को अजमेर दरगाह समिति, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को नोटिस जारी किया था।

मेला

प्रयागराज में रविवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में शिल्प मेला उत्सव के दौरान देवी काली के वेश में कलाकार।

नागपुर में रविवार को नागपुर में ऑरेंज सिटी कैनाइन क्लब द्वारा आयोजित ऑरेंज सिटी डॉग शो के दौरान अपने कुत्ते के साथ एक महिला।

रैली

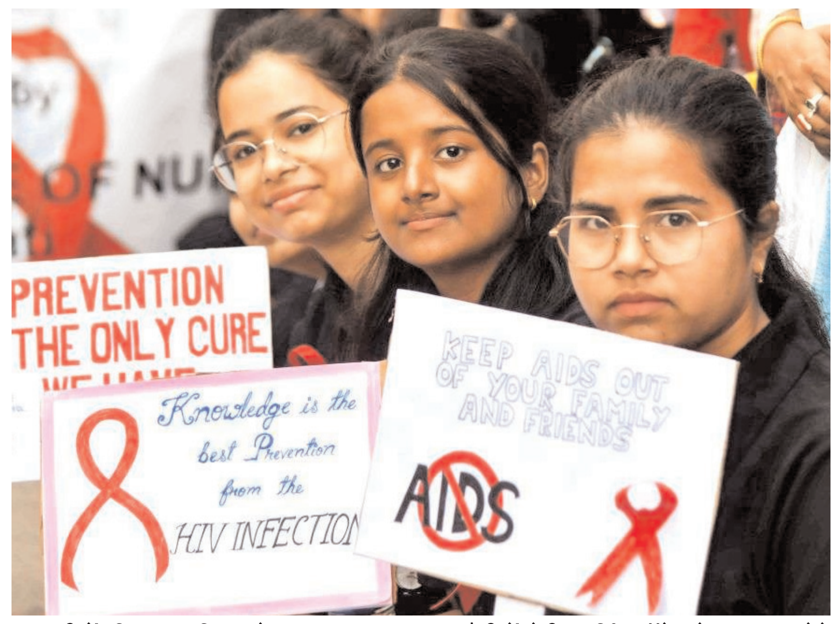

गुवाहाटी में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर जागरूकता रैली में क्षेत्रीय नर्सिंग कॉलेज के छात्र भाग लेते हुए।

रजनीकांत की 'जेलर 2' का पोस्टर आउट

मुंबई/एजेन्सी

'थलाइवा' की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जेलर 2' का नया पोस्टर आ चुका है। बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर हिट का टैग लेने वाली रजनीकांत की फिल्म के नए पोस्टर में हर एक कैरेक्टर का दमदार लुक सामने आया है। प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़े पोस्टर्स शेयर कर कैप्शन में लिखा, जब 'जेलर' के कैरेक्टर्स इंचार्ज हों तो कोई आधा–अधूरा काम नहीं होता। पहली पोस्टर में रजनीकांत अपने दमदार अंदाज में दिख रहे हैं और उनकी हाथ में बंदूक है। वहीं, दूसरी में मोहनलाल, शिवा राजकुमार के साथ ही जैकी श्रॉफ समेत अन्य मंझे हुए सितारे हैं। फिल्म में 'लियो' अभिनेत्री राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि जैसे शानदार सितारे लिस्ट में शामिल हैं। 'जेलर 2' के लेखक और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है, जिसका टाइटल मेकर्स ने 'जेलर 2' दिया है। 'जेलर' सिनेमाघरों में हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई थी और ब्लॉकबस्टर हुई थी। यह एक रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के जीवन की कहानी है। फिल्म में जेलर के रूप में थलाइवा रजनीकांत दमदार अंदाज में नजर आए थे।

सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में रजनीकांत के साथ ही राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक भी महत्वपूर्ण रोल में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रजनीकांत के दामाद और साउथ एक्टर धनुष भी 'जेलर 2' में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसकी अभी प्रोडक्शन हाउस ने पुष्टि नहीं की है।

फिल्म 'विदामुयारची' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अजित कुमार अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विदामुयार्ची' का टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है। लाइका प्रोडक्शंस ने एक्स पर फिल्म विदामुयारची के टीजर की झलक पेश की।टीज़र एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है, जिसमें छिपे हुए उद्देश्यों वाले पात्रों को दिखाया गया है और विदेशी स्थानों की पृष्ठभूमि पर सेट किया गया है। अजित कुमार आकर्षक लग रहे हैं।

टीज़र में, वह अपनी घड़ी देखते, अपनी कार का का दरवाजा खोलते और फिर गाड़ी चलाते हुए दिखाई देते हैं। उनकी तृषा कृष्णन से मुलाकात, कुछ खोजते और गहन एक्शन दृश्यों में शामिल होने की झलक भी मिलती है। एक आकर्षक दृश्य में उसे खून से लथपथ और घुटनों के बल गिरते हुए दिखाया गया है, जो उसके चरित्र के सामने आने वाली चुनौतियों का संकेत देता है।

टीज़र से, ऐसा प्रतीत होता है कि अर्जुन सरजा और रेजिना कैसेंड्रा ने विरोधी भूमिकायें निभाई हैं, जैसा कि शुरुआती क्षणों में उनकी भयावह हंसी से पता चलता है। तृषा कृष्णन भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म विदामुयारची का निर्देशन मागीज़ थिरुमेनी ने किया है और लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। विदामुयारची 10 जनवरी 2025 को पोंगल पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'सिकंदर का मुकद्दर' में तमन्ना भाटिया की मासूमियत को मिली व्यापक प्रशंसा

मुंबई/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया की 'सिकंदर का मुकद्दर' में उनके अभिनय में मासूमियत झलकती है तमन्ना भाटिया अभिनीत बहुप्रतीक्षित डकैती ड्रामा 'सिकंदर का मुकद्दर' का आखिरकार प्रीमियर हो गया है, और कामिनी शर्मा के रूप में उनका प्रदर्शन हर जगह दिल जीत रहा है। स्वाभाविक और सूक्ष्म तरीके से भूमिका निभाया है, तमन्ना ने कामिनी को असाधारण परिस्थितियों में फंसी एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में चित्रित किया। कहानी छ60 करोड़ के हीरों की एक बड़ी चोरी के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसमें कामिनी खुद को प्रमुख संदिग्धों में से एक पाती है।

तमन्ना का नेचुरल और वास्तविक प्रदर्शन फिल्म के सार को जीवंत कर देता है। फिल्म में कामिनी के पति सिकंदर शर्मा की भूमिका में अविनाश तिवारी और जांच का नेतृत्व करने वाले एक दृढ़ पुलिसकर्मी जसविंदर सिंह की भूमिका में जिमी शेरगिल भी शामिल हैं। अविनाश तिवारी के साथ उनकी ताज़ा ऑनस्क्रीन जोड़ी अपनी केमिस्ट्री और प्रामाणिकता के लिए काफी प्रशंसा बटोर रही है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है और बेहतरीन मनोरंजन का वादा करती है। इस बीच, तमन्ना ने हाल ही में अपने बहुप्रतीक्षित तेलुगु प्रोजेक्ट, 'ओडेला 2' की शूटिंग पूरी की, और अपने अगले प्रोजेक्ट, करण जौहर की 'डेयरिंग पार्टनर्स' के लिए तैयारी कर रही हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी काबिलियत साबित करती रहती हैं और 'सिकंदर का मुकद्दर' इंडस्ट्री में सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत करती है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के मुख्य कार्यवाह सुनील शर्मा द्वारा सात दिवसीय देवदर्शन यात्रा का आयोजन किया जिसमें एक सौ लोगों को शर्मा परिवार ने रेल द्वारा राजस्थान के सुमेरपुर स्थित कुलदेवी जाखा माता मंदिर की यात्रा कराई।

दीपोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जयनगर स्थित राम मंदिर में विनायक मित्र मंडली द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गोपूजन एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर अपनी आस्था प्रकट की। इस मौके पर 10 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर महिलाओं के लिए रंगोली स्पर्धा का भी आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को अतिथि ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

संघवी सुनील शर्मा का शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा किया गया सम्मान

शर्मा परिवार ने आयोजित की सात दिवसीय देवदर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के मुख्य कार्यवाह सुनील शर्मा द्वारा सात दिवसीय देवदर्शन यात्रा का आयोजन किया जिसमें एक सौ लोगों को शर्मा परिवार ने रेल द्वारा राजस्थान के सुमेरपुर स्थित कुलदेवी जाखा माता मंदिर की यात्रा कराई। जाखा माता मंदिर में सुनील शर्मा द्वारा नवनिर्मित भवन एवं प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया एवं वहाँ भजन संध्या का आयोजन भी हुआ। तत्पश्चात संघ माउंट आबू, राणकपुर स्थित सूर्य मंदिर, जैन मंदिर, चारभुजा श्रीनाथ मंदिर, सोनाणा खेतलाजी भैरू मंदिर एवं आशापुरा माता मंदिर आदि देवदर्शन कर तीर्थ यात्रा संघ पुनः बेंगलूरु पहुंचा।

स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार को जेपी नगर स्थित सूर्य मंदिर में संघपति सुनील शर्मा का स्वागत समारोह रखा गया, जिसमें शर्मा परिवार का गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। समाज के गणमान्य वरिष्ठ व्यक्तियों ने संघ की शानदार व्यवस्था के लिए सुनील शर्मा का धन्यवाद दिया। सम्मान एवं आभार ज्ञापन समारोह में सुनील शर्मा, संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा का वरिष्ठ नागरिकों एवं महिला मंडल द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जे.बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, रमेश शर्मा, चेतन शर्मा, जेठमल शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, हुकमचंद शर्मा, राजेश शर्मा, विजयकुमार शर्मा, भूपेश कश्यप सहित अनेक गणमान्य लोग तथा महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

मनुष्य का मन पानी की तरह है : महात्मा तुरियानंद

आईजी सेवा संघ बन्नरघट्टा ने मनाया स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आईजी सेवा संघ बन्नरघट्टा ने दीपावली स्नेह मिलन आईमाता वडेर में शनिवार को संत महात्माओं के सान्निध्य में आयोजित किया। संस्था के अध्यक्ष केवलराम पंवार ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। सामारोह में आए मानव सेवा समिति के प्रभारी संत तुरियानंदजी, गुणवंतानंदजी ने विभिन्न ग्रंथों के आधार पर प्रवचन दिए। संत तुरियानंदजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का मन पानी की तरह है। पानी को जिस बर्तन में डालेंगे वह उस आकर को धारण कर लेता है। उसी तरह मन को भी जैसे निमित में रखेंगे, वैसा होगा। मन को हमें खराब निमित्तो से दूर रखना होगा। मन को सदाचारी रखना है। दुराचार से दूर रखना है तो हमें जहां-जहां हमारा मन कुसंस्कारों को धारण करता है वहां से मन को दूर करना होगा।

स्थानीय भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह में आए मुख्य अतिथि सीरवी महासभा कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार महासचिव अमरचन्द सातपुरा, सहसचिव भुण्डाराम हाम्बड बळेकहल्ली, जिगनी वडेर के अध्यक्ष मांगीलाल राठौड़, भोलाराम का सम्मान किया। महासचिव अमरचन्द सानपुरा ने सभी को धन्यवाद दिया। महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार ने कहा कि स्नेह मिलन एक दूसरे को आपसी प्रेम व भाईचारे को जोडने का काम करता है। महिला मडंल, गैर मंडल, नवयुवक मंडल द्वारा संत महात्माओं का स्वागत किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव रामलाल हाम्बड, भीकाराम काग, खंगारराम चोयल, टी रमेशचन्द सैंणचा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

देश में एड्स से जुड़ी मौतों में 79 प्रतिशत की गिरावट, नए मामले 44 फीसद घटे : नड्डा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को बताया कि देश में वर्ष 2010 के मुकाबले 2023 में एड्स के नए मामलों में 44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जबकि एचआईवी संक्रमण से जुड़ी मौतों में 79 प्रतिशत की कमी देखी गई। उन्होंने वर्ष 2030 तक एड्स के खात्मे के सतत विकास लक्ष्य के प्रति देश की तेज प्रगति का ब्यौरा देते हुए यह बात कही। नड्डा ने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सरकारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि देश में फिलहाल करीब 17.30 लाख लोग एड्स से पीड़ित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्ष 2030 तक एड्स को जड़ से मिटाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है।

नड्डा ने बताया कि इस लक्ष्य को पाने के लिए जांच और चिकित्सा के नवीन उपाय अपनाए जाएंगे तथा एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि भारत सरकार ने 2030 तक एड्स के खात्मे के लक्ष्य के मद्देनजर '95-95-95' का फॉर्मूला तय किया है यानी देश के 95 प्रतिशत मरीजों को पता होना चाहिए कि वे एचआईवी से संक्रमित हैं, 95 प्रतिशत मरीजों को इलाज मिलना चाहिए और एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी की दवाओं के जरिये 95 प्रतिशत मरीजों का "वायरल लोड" घटाया जाना चाहिए।

जिनकुशलसूरी दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष ने साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्री के दर्शन किए

धार्मिक पुस्तक का किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिन कुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने होसपेट में विराजित साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी की सुशिष्या श्री हर्षपूर्णाश्रीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर आराधना भवन में आयोजित पार्श्व पद्मावती महापूजन में तेजराज मालानी ने मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थिति प्रदान की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष मालानी ने 'नित्य पाठ' नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर साथ में होसपेट के बाबूलाल पालरेचा, दीपचंद तातेड, महेन्द्र पालरेचा आदि कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

अमावस्या सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गोभक्त जैन केयर ग्रुप के सदस्यों ने अमावस्या के मौके पर शहर की विभिन्न गौशाला में गायों को घास, कबूतरों को चुग्गा व कुत्तों को बिस्कुट व रोटी खिलाई। सदस्यों ने जीवदया कार्य कर संतोष जताया कि इस तरह के जीवदया कार्य बहुत संतोष प्रदान करते हैं। इस ग्रुप के सोनू छाजेड़, चेतनप्रकाश झारमुथा, राकेश दातेवाड़ियां, मनोज गुलेछा, अनिल भंडारी, रंजीत भंसाली, मुकेश नाहर, प्रकाश मुथा, पंकज श्रीमाल, केतन ,राहुल दक, यश पोरवाल, उत्तम,मुकेश, चंद्रेश श्रीमाल आदि ने जीवदया सेवा की।

ईडी ने धनशोधन मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा को अश्लील फिल्मों के कथित वितरण से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुंद्रा को मामले के जांच अधिकारी के समक्ष सोमवार को पेश होने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर वह सोमवार को नहीं आ सकते तो सप्ताह में किसी और दिन पेश हो सकते हैं।

सूत्रों ने बताया कि मामले में शामिल कुछ अन्य लोगों को भी इस सप्ताह के दौरान पेश होने के लिए कहा गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का एक कारोबारी भी शामिल है। केंद्रीय एजेंसी ने 29 नवंबर को कुंद्रा के मुंबई और उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में स्थित अन्य व्यक्तियों के परिसरों पर छापे मारे थे। मई, 2022 का धनशोधन का यह मामला कुंद्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर मुंबई पुलिस की कम से कम दो प्राथमिकियों और आरोपपत्र से जुड़ा है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तिम्मैया रोड स्थित किशनलाल फूलचन्द लुनिया मेटरनिटी होम के समक्ष जैन सेवा मंडल की ओर अमावस्या के उपलक्ष्य में 111वां अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चांदमल सियाल, महावीर गादिया, इंदरचंद वेदमुथा, अशोक खिंवसरा, उत्तमचंद लुनावत, आनंद चुतर, भरत मेहता सहित अनेक सदस्यों ने अन्नदान कार्य में सेवा दी।

'हमें कन्नड़ भाषा पर गर्व, यह बने सबके मन की भाषा'

भारतीय स्टेट बैंक ने कन्नड़ राज्योत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय में 28 नवंबर को कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। मंडल मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि एमएस नरसिंहा मूर्ति, डॉ. वसुंधरा भूपति, बैंक के महाप्रबंधक वीएन शर्मा, प्रफुल्ल कुमार जेना और सुशील कुमार सिंह की मौजूदगी में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी राजेश चौरे ने सबका स्वागत किया।

जूही स्मिता सिन्हा एवं अन्य अतिथियों ने कन्नड़ पत्रिका 'कौस्तुभा' का विमोचन किया। प्रख्यात हास्य कवि एमएस नरसिंह मूर्ति का सम्मान किया गया। मूर्ति ने कहा कि हमें कन्नड़ भाषा पर गर्व है, जिसका इतिहास दो हजार वर्षों का है। उन्होंने मजेदार चुटकुलों से श्रोताओं को खूब हंसाया।

प्रख्यात लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. वसुंधरा भूपति का भी सम्मान किया गया। उन्होंने कन्नड़-इतर स्टाफ सदस्यों के लिए कन्नड़ सिखाने की बैंक की पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कन्नड़ हम सबके घर और मन की भाषा होनी चाहिए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतने वाले स्टाफ-सदस्यों की प्रशंसा की गई। धाराप्रवाह कन्नड़ बोलते हुए महाप्रबंधक, नेटवर्क 2 वीएन शर्मा ने कहा कि बैंक हमेशा कन्नड़ भाषा को उपयुक्त महत्त्व देते हुए इसे लागू करने के लिए समर्पित है।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। बैंक के स्टाफ ने नृत्य, कन्नड़ गीत एवं डोल्लु कुणीता से दर्शकों का मनोरंजन किया। सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दाधीच महिला मंडल द्वारा अन्नकूट का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्नाटक प्रांतीय दाधीच महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सुषमा आसोपा एवं उनकी पूरी टीम ने मिलकर अखिल भारतवर्षीय दायमा दाधीच ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमिला तिवारी का सम्मान किया गया। इस मौके पर संस्था की संस्थापिका सरोजा व्यास, सर्वेसर्वा सरोजा ओझा को सम्मानित किया गया। कर्नाटक महर्षि दाधीच परिषद के दीपावली स्नेह मिलन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष नथमल पाटोदिया एवं उनकी पूरी टीम का सम्मान किया गया। बेंगलूरु युवा मंडल के अध्यक्ष प्रभाकर सोसी एवं उनकी टीम का भी सम्मान किया गया।

संसद जनकल्याण के लिए, हर क्षण का उपयोग किया जाना चाहिए: उपराष्ट्रपति धनखड़

कानपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि संसद जनकल्याण के लिए है और सदन के कामकाज के हर क्षण का उपयोग जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए। धनखड़ यहां सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह अदाणी समूह से जुड़े विवाद और संभल व मणिपुर में हिंसा जैसे विभिन्न मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद आई है।

धनखड़ ने यहां कहा, हम भारतीय संविधान को अपनाने की सदी की चौथी तिमाही में प्रवेश कर चुके हैं। इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि लोकतंत्र के मंदिर में हर क्षण का उपयोग बड़े पैमाने पर लोगों के कल्याण के लिए किया जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा, संसद जनकल्याण के लिए है और इसे अपवित्र नहीं किया जाना चाहिए। मुझे यकीन है कि संबंधित पक्षों, खासकर निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा सभी कदम उठाए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम अपने आचरण को अनुशासन और शिष्टाचार के साथ निभाएं। उन्होंने समारोह में मौजूद उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की ओर इशारा करते हुए कहा, हर बार जब मैं राज्यपाल (पटेल) से बात करता हूं, तो एक बात जो आम तौर पर सुनने को मिलती है वह यह कि क्या हम वास्तव में शिक्षा के अधिकार के सार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं? यह उन लोगों के लिए है, जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं है और इसलिए एक प्रावधान आया कि हमें समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए विशेष वर्गीकरण करना चाहिए। धनखड़ ने ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पोषित करने का आह्वान किया और विशेष रूप से उन लोगों को, जिनके पास सस्ती गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं है।

मैसूरु में खुलेगा दुनिया का पहला झुके गुंबद वाला एलईडी तारामंडल

बेंगलूरु/गुवाहाटी। दुनिया का पहला झुका हुआ गुंबद वाला एलईडी तारामंडल मैसूरु में बन रहा है और सितंबर 2025 में खुलने पर यह आगंतुकों को रात के आकाश का एक अद्भुत अनुभव प्रदान करेगा। इस परियोजना का निर्माण 91 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान और मैसूरु विश्वविद्यालय द्वारा 'चामुंडी हिल्स' परिसर में किया जा रहा है। आईआईएपी निदेशक अन्नपूर्णी सुब्रमण्यन ने गुवाहटी में भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के अवसर पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि तारामंडल व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक प्रोजेक्टर-आधारित फुलडोम सिस्टम से अलग होगा। एलईडी गुंबद प्रणाली में एलईडी तत्वों का उपयोग किया जाएगा, जो रंगों का एक बड़ा स्पेक्ट्रम प्रदर्शित करेंगे।

मादक पदार्थ तस्करों पर नकेल कसी जा रही, गड़बड़ होने पर पुलिस जिम्मेदार : जी. परमेश्वर

मंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करों पर नकेल कसी जा रही और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने में ढील बरतने पर संबद्ध पुलिस आयुक्त और अधिकारियों को इसके लिए जवाबदेह माना जायेगा। राज्य के गृहमंत्री परमेश्वर ने शनिवार को यहां मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत पर जोर दिया और इसके लिए अधिकारियों को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी के क्षेत्राधिकार में मादक पदार्थों से जुड़ी गतिविधियां जारी रहीं तो निरीक्षकों, पुलिस उपाधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,

(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.

HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com